तापमान
अधिकतम 37 .5 डिग्री
न्यूनतम 25 .0 डिग्री

हरिभूमि
रेवाड़ी भूमि

रोहतक, शुक्रवार, 28 जून 2024

धारूहेड़ा में सड़क निर्माण के लिए नगरपालिका ने की निशानदेही 12

स्कूल का रास्ता दूषित पानी से लबरेज निकासी व्यवस्था में प्रशासन फेल 12

खबर संक्षेप

ट्रेन में यात्री का मोबाइल फोन उड़ाया

रेवाड़ी। राजस्थान के चूरू से दिल्ली सराय रोहिल्ला जा रहे यात्री का ट्रेन में मोबाइल फोन चोरी हो गया। जीआरपी को दर्ज शिकायत में राजस्थान के बिसाऊ निवासी बुद्धि प्रकाश ने बताया कि वह ट्रेन से दिल्ली जा रहा था। ट्रेन रेवाड़ी स्टेशन के पास पहुंची तो उसका मोबाइल फोन किसी ने चोरी कर लिया। उसने दिल्ली सराय रोहिल्ला जीआरपी को शिकायत दर्ज कराई। जीआरपी ने जीरो एफआईआर दर्ज करने के बाद उसे रेवाड़ी जीआरपी को भेज दिया। जीआरपी ने केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू कर दी।

मारपीट मामले में चार आरोपी काबू

जाटूसाना। पुलिस ने मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने एक गांव निवासी महिला के बयान पर गत 5 मई को विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। जांच के बाद पुलिस ने इस मामले में तरुण, मुखत्यार, कुसुमलता और किरण देवी को गिरफ्तार कर लिया। इन पर पीड़िता ने कई गंभीर आरोप लगाए थे। बाद में पुलिस ने चारों को पुलिस बेल पर रिहा कर दिया।

धारण गांव से बुजुर्ग घर से लापता

रेवाड़ी। धारण गांव से करीब 88 वर्षीय बुजुर्ग घर से लापता हो गया। बावल थाना पुलिस को दर्ज शिकायत में श्रीनिवास ने बताया कि उसका पिता बुधराम 26 जून को बिना बताए घर से कहीं चला गया। उसके पिता की दिमागी हालत भी ठीक नहीं है। शाम तक घर पहुंचने बाद उसके पिता की काफी तलाश की गई, लेकिन उसका कोई पता नहीं चल सका। बावल पुलिस ने उसकी शिकायत पर केस दर्ज करने के बाद आसपास के थानों में सूचना भेजकर बुजुर्ग की तलाश शुरू कर दी।

मारपीट व धमकी देने के आरोपी काबू

कोसली। पुलिस ने मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने पीड़ित पक्ष के बयान पर सुधराना में हुई मारपीट के बाद 5 मई को दर्ज मामले में सुधराना निवासी रमेश और कालूराम को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने 26 जून को दर्ज किए गए एक अन्य मामले में मुंदड़ा निवासी अशोक कुमार को गिरफ्तार किया है।

अस्पताल के बाहर खड़ी बाइक चोरी

बावल। रेवाड़ी रोड पर एक अस्पताल के बाहर खड़ी बाइक चोरी हो गई। पुलिस शिकायत में आसरा का माजरा निवासी संदीप ने बताया कि वह अपने दोस्त के साथ बाइक पर एक प्राइवेट अस्पताल आया था। बाइक बाहर खड़ी करने के बाद दोनों अस्पताल के अंदर चले गए। करीब 10 मिनट बाद दोनों बाहर आए तो बाइक वहां नहीं थी। आसपास पता करने के बाद भी बाइक का कोई सुराग नहीं मिला। पुलिस ने उसकी शिकायत पर चोरी का केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू कर दी।

खेत में बने मकान से एसी ले गए चोर

जाटूसाना। बेरली रोड पर चोर एक खेत में बने मकान से एसी चोरी कर ले गए। पुलिस शिकायत में भोतवास भोंदू निवासी नरेश ने बताया कि उसने बेरली-जाटूसाना रोड़ पर अभयसिंह की जमीन खेती पर ली हुई है। खेत में बने मकान में एसी लगा हुआ था। रात के समय मकान में कोई नहीं था। मौका पाकर चोर मकान से एसी चोरी कर ले गए। आसपास पता करने के बाद भी चोरी का सुराग नहीं मिला। जाटूसाना थाना पुलिस ने उसकी शिकायत पर केस दर्ज करने के बाद चोरी की जांच शुरू कर दी।

आरओबी निर्माण कार्य में लगेगा अभी और भी समय

भाड़ावास रेलवे फाटक पर अंडरपास की फ्रेमिंग तैयार, जल्द शुरू होगा लोगों का आवागमन

अब रेलवे जल्द शुरू करेगी अपने हिस्से के ओवरब्रिज निर्माण का कार्य

हेमंत शर्मा ▸▸ रेवाड़ी

रेवाड़ी। भाड़ावास रेलवे फाटक के पास आरयूबी निर्माण कार्य करते कर्मचारी व आरओबी के लिए बिजली लाइन व्यवस्थित करते कर्मचारी। फोटो : हरिभूमि

रेवाड़ी-अलवर रेलमार्ग स्थित भाड़ावास रेलवे फाटक पर लंबे समय के बाद रेलवे की ओर से वीरवार को रेलवे ट्रैक पर आरयूबी यानि अंडरपास का निर्माण कार्य किया गया। अंडरपास निर्माण के लिए करीब एक सप्ताह से कार्य किया जा रहा है। अंडरपास निर्माण कार्य के कारण रेवाड़ी से अलवर की ओर जाने वाली कई ट्रेनों का मार्ग परिवर्तित किया गया। यह ट्रेनें वाया रींगस-फुलेरा होकर संचालित की गई। कुछ ट्रेनें आंशिक रद की गई तथा कुछ ट्रेनों के समय में बदलाव भी किया गया। रेलवे की ओर से रेलवे फाटक पर अलसुबह से ही अंडरपास का कार्य शुरू कर दिया गया। रेलवे फाटक पर क्रेनों की सहायता से पटरियां हटाकर जेसीबी से खदाई की गई तथा क्रेनों की सहायता से अंडरपास के लिए पहले से तैयार सीमेंटेड फ्रेम रखे गए। इस दौरान जयपुर मंडल के कई रेलवे अधिकारी भी मौजूद रहे। अंडरपास के तैयार होने से लोगों को आवागमन करने में काफी राहत मिलेगी, क्योंकि आरओबी निर्माण कार्य में अभी और भी समय लगने वाला है। आरओबी का कार्य धीमी गति से चलने के कारण लोगों को परेशानी उठानी पड़ रही थी, जिसके लिए लोगों ने फाटक पर धरना भी दिया था तथा विधायक चिरंजीव राव ने रेलमंत्री अश्वनी वैष्णव को पत्र लिखकर लोगों की समस्या का समाधान करने की मांग की थी। अंडरपास के लिए सीमेंटेड फ्रेम एक महीने पहले ही तैयार होकर आ चुके है।

आरयूबी निर्माण के कारण यह ट्रेंनें रही प्रभावित: भाड़ावास रेलवे फाटक पर आरयूबी कार्य के कारण उत्तर पश्चिम रेलवे की कई रेलसेवाएं प्रभावित रही। गाड़ी संख्या 09635 जयपुर-रेवाड़ी स्पेशल रेलसेवा अलवर-रेवाड़ी स्टेशनों के मध्य आंशिक रद रही। गाड़ी संख्या 09636 रेवाड़ी-जयपुर स्पेशल रेलसेवा रेवाड़ी के स्थान पर अलवर से संचालित हुई। गाड़ी संख्या 14312 भुज-बरेली रेलसेवा का मार्ग परिवर्तित करके वाया फुलेरा-रींगस-रेवाड़ी होकर संचालन किया गया। गाडी संख्या 14661 बाड़मेर-जम्मूतवी रेलसेवा को परिवर्तित मार्ग वाया फुलेरा-रींगस-रेवाडी होकर चलाया गया। गाड़ी संख्या 14662 जम्मूतवी-बाड़मेर रेलसेवा को परिवर्तित मार्ग वाया रेवाड़ी-रींगस-फुलेरा होकर चलाया गया।

चार सौ टन की क्रेनों से रखे गए फ्रेम: वीरवार को भाड़ावास रेलवे फाटक पर अंडरपास का निर्माण कार्य अलसुबह से ही शुरू हो गया। रेलवे कर्मचारियों की ओर से जहां एक तरफ आधुनिक मशीनों से ट्रैक से पटरियां हटाई गई वहीं दूसरी ओर छह के करीब जेसीबी खुदाई करके ट्रैक्टरों व डंपर में मिट्टी भरकर डालती रही। इसके अलावा कर्मचारियों की ओर से इलैक्ट्रिक लाइन को भी ओवरब्रिज की हाइट के अनुसार व्यवस्थित किया गया। इसके बाद 400-400 टन की करीब चार हाइब्रिड क्रेनों की सहायता से अंडरपास के फ्रेम ट्रैक पर रखे गए। अंडरपास के फ्रेम रखने से पहले नीचे सीमेंटेड फर्श के खाके रखे गए। अंडरपास के फ्रेम रखने का कार्य पूरा होने के बाद कर्मचारियों की ओर से रेलमार्ग से हटाई कई पटरियों को डालने का कार्य किया गया।

रेवाड़ी। युवक की करंट से मौत के बाद कार्रवाई करती पुलिस।

नपा-बिजली निगम की लापरवाही बनी काल

- पोल में करंट आने से युवक की मौत
- पुलिस ने दर्ज किया गैर इरादतन हत्या का केस दर्ज, जिम्मेदार लोगों की पहचान में जुटी पुलिस

हरिभूमि न्यूज ▸▸ बावल

बुधवार की रात आटा चक्की ठीक कराने के लिए आए कालड़वास के एक युवक की स्ट्रीट लाइट के पोल में प्रवाहित करंट की चपेट में आने से मौत हो गई। पुलिस ने मृतक के बेटे के बयान पर नपा और बिजली निगम के जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का केस दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। कालड़ावास निवासी 45 वर्षीय पवन कुमार ट्रैक्टर पर आटा चक्की लगाकर पिसाई का कार्य करता था। ट्रैक्टर ठीक कराने के लिए कस्बे में एक मैकेनिक श्यामलाल की दुकान पर आया था। वह पेशाब करने के लिए मैकेनिक की दुकान से कुछ दूरी पर गया था। बताया गया है कि स्ट्रीट लाइट के पोल में करंट प्रवाहित हो रहा था, जिस कारण पवन पेशाब करते समय चपेट में आ गया। काफी देर तक उसके वापस नहीं आने पर श्यामलाल उसे देखने के लिए गया, तो वह जमीन पर बेसुध पड़ा हुआ था।

बेटे के बयान पर दर्ज हुआ केस

पुलिस बयान में पवन के बेटे अखिलेश ने बताया कि उसका पिता परिवार में अकेला कमाने वाला था। पिता की मौत से पूरे परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट गया है। उसने आरोप लगाया कि नगर पालिका और बिजली निगम की लापरवाही के कारण स्ट्रीट लाइट के पोल में करंट प्रवाहित हुआ, जिससे उसके पिता की मौत हो गई। पुलिस ने उसके बयान पर गैर इरादतन हत्या का केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू कर दी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया।

वृद्ध महिलाओं, बुजुर्गों और दिव्यांगों की समस्याओं को विशेष तवज्जो दें अधिकारी

रेवाड़ी। समाधान शिविर में लोगों की समस्या सुनते डीसी व एडीसी।

रेवाड़ी। राज्य सरकार की ओर से प्रारंभ किए गए समाधान शिविर के प्रति लोगों का विश्वास बढ़ रहा है। वीरवार को जिला मुख्यालय पर आयोजित शिविर में डीसी राहुल हुड्डा व एडीसी अनुपमा अंजलि ने नागरिकों की समस्याएं सुनते हुए उनका प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया। डीसी ने सभी विभागों को समाधान शिविर में आने वाली वृद्ध महिलाओं, बुजुर्गों और दिव्यांगजनों की समस्याओं को विशेष तवज्जों देते हुए निपटाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अधिकारी इस बात का ध्यान रखें कि लोगों को शिकायतों व समस्याओं के समाधान के लिए कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़े। समाधान शिविर में विशेषतौर पर फैमिली आईडी में आय ठीक कराने, वृद्धावस्था पेंशन, विधवा पेंशन, विदुर पेंशन, दिव्यांग पेंशन, स्वामित्व रजिस्ट्री, बिजली, पानी व पीपीपी में त्रुटियों को दुरुस्त करने सहित विभिन्न प्रकार की समस्याएं सुनीं जा रही हैं।

नरेन्द्र ने उत्तरी अमेरिका की सबसे ऊंची चोटी देनाली पर पहराया तिरंगा

- सात महाद्वीपों को फतह करने का है सपना, अंटार्कटिका की सबसे ऊंची चोटी विंसन है अगला लक्ष्य

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रेवाड़ी/कोसली

रेवाड़ी। उत्तरी अमेरिका की सबसे ऊंची चोटी देनाली पर तिरंगा पहराते नरेन्द्र।

रेवाड़ी जिले के गांव नेहरूगढ़ निवासी पर्वतारोही नरेंद्र यादव ने उत्तरी अमेरिका अलास्का में स्थित सबसे ऊंची चोटी देनाली का फतह कर लिया है। पर्वतारोही ने चोटी पर तिरंगा पहराते हुए अपने भारत देश का नाम विश्व पटल पर अंकित कर दिया है। युवा पर्वतारोही ने 6190 मीटर ऊंची चोटी पर भारत की ओर से प्रतिनिधित्व किया। नरेन्द्र 15 जून को तालकीतना से चार्टर उड़ान से बेस कैंप पहुंचे तथा 23 जून रात 10:29 पर चोटी पर तिरंगा लहराकर भारत का नाम विश्व पटल पर अंकित किया। नरेंद्र इस पर्वत पर चढ़ने वाले भारत के पहले युवा बन गए है। इससे पहले देनाली पर फतह कर वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने वाला युवा 31 साल 1 महीने 25 दिन का था। नरेन्द्र ने 29 साल 6 महीने 8 दिन में इस रिकॉर्ड को तोड़कर अपने नाम किया है। इस अभियान में पूरे विश्व से पर्वतारोही शामिल हुए थे।

सात महाद्वीपों पर फतेह करने का सपना

नरेन्द्र ने बताया कि देनाली को घातक पर्वत भी कहा जाता है। यह पर्वत तकनीकी तौर पर बहुत ही दुर्गम है। अत्यधिक ठंड और तेज हवा से यह पर्वत चढ़ाई को और भी खतरनाक बना देता है। झोखिमों से भरा होने के कारण बहुत कम पर्वतारोही इस पर्वत को चढ़ने में कामयाब हुए है। आर्मी जवान कृष्णचंद के पुत्र नरेन्द्र का सपना दुनिया के सभी सात महाद्वीपों पर फतेह कर वर्ल्ड रिकार्ड बुक में छाप छोड़ने का है। नरेन्द्र ने पांच महाद्वीपों की सबसे ऊंची चोटियों को फतह कर अनेक विश्व रिकार्ड बना चुके है। 2012 में पर्वतारोहण के बेसिक, 2013 में एडवांस, 2015 में एमओआई, 2022 में सर्च एंड रेस्क्यू के साथ सभी कोर्स पास किए है, जिसमें माउंट एवरेस्ट को 2016 व 2022 में 6 दिन में बिना अनुकूलन के फतह किया। किलिमंजारो को तीन बार, एलब्रुस को ट्रैवल्स में दो बार, कोजास्को व ऑस्ट्रेलिया की 10 सबसे ऊंची चोटियों को दो बार फतह किया है। इसके साथ ही दक्षिण अमेरिका की सबसे ऊंची चोटी एकंकागुआ को फतेह किया है। नरेन्द्र ने 12 साल की उम्र में ही जम्मूकश्मीर की पहाड़ियों पर चढ़कर अपने पर्वतारोहण की प्रारंभिक शुरूआत कर दी थी तथा वर्ष 2008 से नियमित तौर से पर्वतारोहण का अभ्यास शुरू किया। उसके बाद महज 19 वर्ष की आयु में 6512 मीटर ऊंची भागीरथी-टू व 5612 मीटर ऊंची डीकेडी-टू के साथ कालिंदीपास व वासुकी तालपास, लेह व गढ़वाल चोटी को फतेह करके सबसे कम उम्र के पर्वतारोही बने। नरेन्द्र का अगला लक्ष्य अंटार्कटिका की सबसे ऊंची चोटी विंसन को फतह करने का है।

शराब पीने के लिए फोन करके बुलाया मना करने पर रॉड से किया हमला

कोसली। भोगल बस्ती निवासी एक युवक को उसके परिचित ने शराब पीने के लिए बुला लिया। शराब पीने से मना करने पर उसने युवक पर रॉड से हमला कर दिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज करने के बाद उसकी तलाश शुरू कर दी। पुलिस बयान में संजीव शर्मा ने बताया कि रात के समय उसके परिचित जितेंद्र उर्फ कालिया ने उसे फोन करके नया गांव मोड़ पर बुला लिया। जब वह वहां पहुंचा तो जितेंद्र शराब पी रहा था। उसने उसे भी शराब पीने के लिए कहा, परंतु उसने शराब पीने से मना कर दिया। इसके बाद वह बाइक लेकर बाजार चला गया। बाजार से घर पहुंचा को जितेंद्र रॉड लेकर उसके घर के बाहर खड़ा हुआ था। उसने बाइक रुकवाकर उस पर रॉड से हमला कर दिया। शोर मचाने पर उसके परिजन वहां आए। उन्होंने बचाव करते हुए उसे अस्पताल पहुंचाया। कोसली अस्पताल से उसे रेवाड़ी के लिए रेफर कर दिया गया। पुलिस ने उसके बयान पर आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया।

योगासन को ओलंपिक परिषद में शामिल करने पर जिला योगासन खेल संघ ने जताया आभार

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रेवाड़ी

- योगासन के खिलाड़ियों के लिए हर्ष का विषय

वर्ल्ड योगासन के अध्यक्ष स्वामी रामदेव महाराज के मार्गदर्शन में वर्ल्ड योगासन के महासचिव डा. जयदीप आर्य तथा एशियन योगासन के अध्यक्ष डा. संजय मालपानी, महासचिव उमंग डॉन, योगासन भारत के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदित सेठ एवं कोषाध्यक्ष रचित कौशिक ने डा. पीटी उषा के योगासन खेल को एशिया ओलंपिक परिषद् में सम्मिलित करने के प्रस्ताव का स्वागत किया है। उन्होंने भारत के प्रधानमंत्री, खेल मंत्री, आयुष सचिव, खेल सचिव एवं भारतीय खेल प्राधिकरण के महानिदेशक का आभार जताया है। इनके प्रयासों से ही योगासन के खिलाड़ियों को यह अवसर प्राप्त हो रहा है कि उनका खेल अब एशिया और ओलंपिक की ओर अग्रसर हो गया है। जिला योगासन खेल संघ के अध्यक्ष तथा नव सृष्टि योग एवं शोध संस्थान के संस्थापक डा. युद्धवीर तथा योगासन खेल संघ के सचिव नितिन कुमार ने सभी का आभार जताते हुए कहा कि यह सभी योगासन के खिलाड़ियों के लिए हर्ष का विषय है। अब योगासन के खिलाड़ी और ऊर्जा व जोश के साथ आगे बढ़कर खेलेंगे। ओलंपिक संघ की अध्यक्षा डा. पी टी उषा ने गोवा में आयोजित हुए 37वें राष्ट्रीय खेलों के दौरान योगासन खेल को एशियाई पटल पर स्थापित करने के लिए प्रयास करने का आश्वासन दिश था। उन्होंने एशियाई ओलंपिक परिषद के अध्यक्ष राजा रणधीर सिंह से पत्र के माध्यम से योगासन खेल को शामिल करने का आग्रह किया, जिसको देखते हुए गोवा में राष्ट्रीय खेलों के आयोजकों ने मल्लखंभ और योगासन को नेशनल गेम्स में शामिल किया।

ज्वेलर्स की दुकान से तीन महिलाएं जेवर लेकर चंपत

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रेवाड़ी

बारा हजारी में एक ज्वेलर कर दुकान पर जेवरात देखने के लिए आई तीन महिलाएं सोने की बालियां लेकर फरार हो गई। सीसीटीवी फुटेज में तीनों महिलाएं साफ दिखाई दे रही हैं। पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद आरोपियों की तलाश शुरू कर दी। पुलिस शिकायत में ज्वेलर जितेंद्र सोनी ने बताया कि उसकी दुकान पर सोने के आभूषण खरीदने के लिए तीन महिलाएं आई थीं। दुकान पर काम करने वाली शिवानी उन महिलाओं को जेवरात दिखा रही थी। बाद में महिलाएं बिना जेवरात लिए ही चली गईं। उनके जाने के बाद सामान चेक किया तो एक जोड़ी सोने की बालियां गायब मिलीं। सीसीटीवी फुटेज से पता चला कि यही महिलाएं सामान चोरी करके ले गई हैं। उसने पुलिस को सीसीटीवी फुटेज भी मुहैया कराई है। पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद महिलाओं का पता लगाने के प्रयास शुरू कर दिए।

एक-दूसरे को थमाती रही बालियां: सीसीटीवी फुटेज में तीनों महिलाएं बालियां देखती हुई नजर आ रही हैं। एक महिला सामने रखे डिब्बे से बालियां निकालकर दूसरी व तीसरी महिला को देती हुई नजर आ रही है। इसी दौरान एक जोड़ी बाली गायब हो गईं। पुलिस ने फुटेज के आधार पर महिलाओं की पहचाने के प्रयास शुरू कर दिए हैं।

माह के अंत में बार-बार बदल रहा मौसम का मिजाज, खत्म नहीं हो रहा अच्छी बरसात का इंतजार

दोपहर तक उमस भरी गर्मी से परेशानी, शाम को मिली राहत

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रेवाड़ी

रेवाड़ी। वीरवार सुबह के समय छाए बरसात के बादल। फोटो : हरिभूमि

सुबह के समय आसमान में बादल। दोपहर के समय तेज धूप के कारण उमस और शाम के समय घने बादलों के साथ मौसम का ठंडा मिजाज। चार दिनों से मौसम में इसी तरह का बदलाव देखने को मिल रहा है। शहर के लोगों पर इंद्रदेव की कृपा बरस रही है, परंतु ग्रामीण इलाकों में अच्छी बरसात के दर्शन नहीं हुई है। दोपहर के समय उमस भरी गर्मी अभी भी पसीने छुड़ा रही है। लगभग एक सप्ताह तक मौसम इसी तरह का बना रहने की संभावना है। इस दौरान टुकड़ों में हल्की या तेज बारिश की संभावना जताई जा रही है। वीरवार को दोपहर बाद तक तेज धूप खिली रही। हवा में नमी का स्तर 80 फीसदी तक बना रहा। इससे गर्म नमीयुक्त हवा ने उमस पैदा कर दी। चिपचिपाहट वाली गर्मी लोगों के पसीने छुड़ाती रही। अधिकतम तापमान 37.5 डिग्री सेल्सियस पर स्थिर रहा, जबकि न्यूनतम तापमान 3.8 डिग्री सेल्सियस गिरकर 25 डिग्री पर आ गया। रात के तापमान में गिरावट से लोगों को चैन की नींद लेने का मौका मिल रहा है। गर्मी दोपहर के समय ही ज्यादा परेशान कर रही है। वीरवार को शाम के समय आसमान में गहराए बादलों से एक बार फिर हल्की बरसात या बूंदाबांदी की संभावना नजर आने लगीं। मौसम विभाग का अनुमान है कि तीन-चार दिन तक मौसम इसी तरह का बना रहेगा।

दो माह निकल गए बरसात के बिना सूखे

बीते साल अप्रैल से लेकर जून माह तक रुक-रुककर बरसात होती रही थी। मई माह के अंत में नौतपा शुरू होने के बाद मूसलाधार वर्षा हुई थी, जिससे किसानों ने बाजरे की अगेती बिजाई कर दी थी। जून माह में भी 120 एमएम के आसपास बरसात दर्ज की गई थी। इस बाद मई और जून माह बरसात के बिना सूखे निकल रहे हैं। दो दिन से शहर में बरसात हो रही है, परंतु ग्रामीण इलाकों में अभी तक अच्छी बरसात नहीं हुई है। किसानों को बाजरे की बिजाई के लिए अच्छी बरसात होने का बेसब्री से इंतजार है। इस समय बरसात होते ही किसान बाजरे की बिजाई शुरू कर देंगे।

खंडोड़ा में महिला के साथ मारपीट, ससुर सहित तीन पर केस

बावल। खंडोड़ा गांव में एक महिला के साथ मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में पुलिस ने उसके ससुर सहित तीन लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस बयान में रिंपी ने बताया कि वह अपने पति के साथ परिवार से अलग रहती है। उसका पति गांव में ही घर से बाहर गया हुआ था। उसने आरोप लगाया कि ससुर सुरेश, जेठ सुनील व जेठानी शर्मिला ने उसके घर पर आकर गाली-गलौज करना शुरू कर दिया। इन लोगों ने धमकी दी कि अगर वह घर छोड़कर नहीं जाएगी, तो उसे मार दिया जाएगा।

विशेष : अंतरराष्ट्रीय क्षुद्र-ग्रह दिवस, 30 जून

बच्चों, तुमने एस्टेरॉयड्स यानी क्षुद्र-ग्रहों के बारे में सुना या पढ़ा होगा। ये ऐसे अनोखे खगोलीय पिंड होते हैं, जो हमेशा से खगोलविदों और खगोल-विज्ञान में रुचि रखने वालों के मन में जिज्ञासा और कौतुहल जगाते रहे हैं। जानों, इन रहस्यमयी क्षुद्र-ग्रहों के बारे में कुछ खास बातें।

ग्रह-उपग्रह से अलग क्षुद्र-ग्रह

नॉलेज / शिखर चंद जैन

बच्चों, क्षुद्र-ग्रह के नाम में भले ही ग्रह शब्द जुड़ा है, लेकिन वास्तव में ये ग्रह नहीं होते हैं, क्योंकि ग्रहों के लिए तय पैमाने पर ये खरे नहीं उतरते हैं। ये उपग्रह भी नहीं हैं, क्योंकि ये किसी ग्रह के चारों ओर चक्कर नहीं लगाते हैं। असल में क्षुद्र-ग्रह अंतरिक्ष की चट्टानों, धूल और मलबे के छोटे-बड़े टुकड़े होते हैं, जो अरबों वर्षों से इसी स्थिति में अंतरिक्ष में विचरण कर रहे हैं। बच्चों, अगर तुम सोचते हो कि सारे ग्रहों की तरह क्षुद्र-ग्रह भी गोलाकार, अंडाकार होते हैं, दिखने में बेहद खूबसूरत या चमकीले होते हैं या यह बहुत सिस्टमेटिक तरीके से सूर्य के चारों ओर परिक्रमा करते हैं, तो हम तुम्हें जानकारी दे दें कि ज्यादातर क्षुद्र-ग्रहों का कोई निश्चित आकार नहीं होता। आमतौर पर ये किसी मिट्टी के धेले या आलू की तरह दिखते हैं। सूर्य की परिक्रमा करते हुए यह लुढ़कते और घूमते हैं, इनका व्यास कुछ फीट से लेकर कई सौ मीलों तक का हो सकता है। क्षुद्र-ग्रह वास्तव में ग्रह हैं ही नहीं, इसकी जानकारी वैज्ञानिकों को बहुत बाद में पता चली।

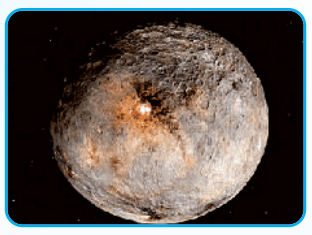
सबसे बड़ा क्षुद्र-ग्रह 'सेरेस'

सबसे पहला खोजा गया क्षुद्र-ग्रह

बच्चों, पहला क्षुद्र-ग्रह इटली के खगोल शास्त्री ग्युसेप पियाजी ने 1 जनवरी 1801 में खोजा था। इसका नाम उन्होंने रोम की कृषि देवी के नाम पर 'सेरेस' रखा। 19वीं सदी के मध्य तक इसे ग्रह ही माना जाता रहा, लेकिन बाद में इसकी वास्तविकता सामने आई, क्योंकि बड़ी दूरबीनों से भी ये पिंड तारों जैसे ही नजर आते थे। खगोल वैज्ञानिक विलियम हर्शेल ने इन्हें 'क्षुद्र-ग्रह' यानी 'एस्टेरॉयड' नाम दिया, जिसका अर्थ होता है- तारे के आकार का। इसे 'प्लेनेटॉयड' भी कहा जाता है, जिसका अर्थ है- ग्रह जैसा। 2006 में अंतरराष्ट्रीय खगोलीय संघ ने सेरेस को 'बौना ग्रह' यानी 'ड्वार्फ प्लेनेट' समूह में रखने का प्रस्ताव दिया था।

सबसे बड़े आकार वाले क्षुद्र-ग्रह

कुछ क्षुद्र-ग्रह आकार में इतने बड़े हैं कि उन्हें छोटा ग्रह मान लिया गया है। चार सबसे बड़े क्षुद्र-ग्रह हैं- सेरेस, वेस्टा, पलास और हाइजिया। इनके बारे में क्रमवार जानो-

सेरेस: यह अब तक खोजा गया सबसे बड़ा क्षुद्र-ग्रह है। इसे बौना ग्रह की श्रेणी में रखा गया है। इसका व्यास 597 मील है। इसमें क्षुद्र-ग्रह बेल्ट के कुल द्रव्यमान का एक तिहाई हिस्सा समाहित है।

वेस्टा: वेस्टा का व्यास 329 मील है। इसे एक छोटा ग्रह माना जाता है। वेस्टा आकार में छोटा है, लेकिन पलास से भारी है। पृथ्वी से यह सबसे चमकीला क्षुद्र-ग्रह नजर आता है। इसका नाम रोमन देवी 'वेस्टा' के नाम पर रखा गया है।

पलास: ग्रीक देवी 'पल्लास एथेना' के नाम पर इस क्षुद्र-ग्रह का नामकरण किया गया है। सेरेस के बाद इसकी ही खोज की गई थी। यह हमारे सौरमंडल का सबसे बड़ा खगोलीय पिंड है, जो आकार में गोल नहीं है।

हाइजिया: हाइजिया कार्बन सरफेस वाले क्षुद्र-ग्रहों में सबसे बड़ा है। इसका नाम ग्रीक स्वास्थ्य देवी के नाम पर रखा गया है। यह 220 मील चौड़ा और 310 मील लंबा है। इसकी आकृति लगभग गोल है।

क्षुद्र-ग्रह के प्रकार

रासायनिक संरचना के अनुसार क्षुद्र-ग्रहों को विभिन्न वर्गों में बांटा गया है। मुख्य रूप से ये तीन तरह के होते हैं- 1.कार्बन सतह वाले 2.सिलिकॉन सतह वाले और 3.धातु सतह वाले। ज्यादातर क्षुद्र-ग्रह कार्बन सतह वाले होते हैं। कुल क्षुद्र-ग्रहों में इनकी संख्या लगभग 75 फीसदी है, जबकि 17 फीसदी क्षुद्र-ग्रह सिलिकॉन सतह वाले होते हैं। बाकी 8 फीसदी में धातु सतह वाले या अन्य क्षुद्र-ग्रह शामिल हैं। *

क्षुद्र-ग्रहों का प्रमुख समूह ट्रोजन क्षुद्र-ग्रह

क्षुद्र-ग्रह बेल्ट के बाहर क्षुद्र-ग्रहों के अन्य समूह भी हैं। इनमें एक प्रमुख समूह 'ट्रोजन क्षुद्र-ग्रह' है। ट्रोजन क्षुद्र-ग्रह किसी ग्रह या चंद्रमा के साथ एक कक्षा साझा करते हैं। अधिकांश ट्रोजन क्षुद्र-ग्रह बृहस्पति के साथ सूर्य की परिक्रमा करते हैं। कुछ वैज्ञानिकों का मानना है कि क्षुद्र-ग्रह बेल्ट में जितने क्षुद्र-ग्रह होते हैं, उतने ही ट्रोजन क्षुद्र-ग्रह भी हो सकते हैं।

प्रिपरेशन / अंजू जैन

खुल रहे हैं स्कूल रहना है रेडी-कूल

बच्चों, समर वेकेशंस के बाद स्कूल खुल रहे हैं। स्कूल जाने के लिए खुद को खूब अच्छे से कैसे प्रिपेयर करो, इस सेशन में तुम्हारी स्टडी कैसे बेहतर ढंग से हो कि तुम्हारा रिजल्ट बेस्ट रहे, जानो।

बच्चों, गर्मियों की लंबी छुट्टियां बीत गई हैं। स्कूल खुलने वाले हैं। कुछ बच्चे तो स्कूल जाने के लिए उत्साहित होंगे, लेकिन कुछ बच्चे यह सोचकर उदास होंगे कि अब उनकी मस्ती खत्म। लेकिन बच्चों स्कूल जाना जरूरी है, पढ़ाई से ही तुम्हारा करियर बनता है, उज्ज्वल भविष्य बनता है। तुम स्कूल हमेशा उत्साह-उमंग के साथ जाओ। इससे तुम्हें स्कूल जाने और पढ़ने में तो मजा आएगा ही, साथ ही तुम स्टडी में पहले से कहीं अच्छी तरह परफार्म करोगे।

कैलेंडर देखकर प्लान करो: बच्चों, तुमने सुना होगा कि 'टाइम इज मनी।' इसलिए समय को कभी बर्बाद मत होने दो। इसे अपनी पढ़ाई, मनोरंजन, खेलकूद और आराम के लिए इस्तेमाल करो। इसके लिए एक-एक दिन की प्लानिंग करना जरूरी है। हमेशा अपने सामने एक कैलेंडर रखो और आने वाले वीक में क्या-क्या नया करना है, कब और कैसे करना है, पढ़ने और खेलने का क्या समय होगा, इसकी पूरी प्लानिंग करो और इसे सही ढंग से अमल में भी लाओ।

ना छूटे रीडिंग की आदत: समर वेकेशन में जब तुम्हें मौका मिला तो तुमने तरह-तरह की बुक्स

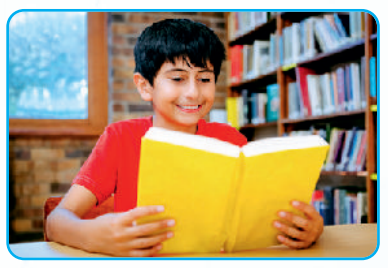

की रीडिंग की होगी। यह आदत बनाए रखो। रोजाना कोई अच्छी किताब, बाल पत्रिका या अखबार पढ़ो। इससे तुम्हें देश-दुनिया के नए समाचार मिलेंगे, नई तकनीक और आविष्कारों का भी पता चलेगा, सामान्य ज्ञान बढ़ेगा, साथ ही पढ़ने में तुम्हारा इंटरेस्ट भी बना रहेगा।

हेल्दी डाइट लो: बच्चों, पढ़ाई में तुम्हारा दिमाग अच्छे से काम करे, तेज रहे, इसके लिए तुम्हारी बॉडी का फिट एंड एनर्जेटिक रहना बहुत जरूरी

है, इसलिए हमेशा हेल्दी डाइट लो। तुम्हें विटामिन-मिनरल युक्त, सुपाच्य और ताजा भोजन करना होगा। घर का ही बना ताजा भोजन, दालें, फल, सब्जियां और दूध-दही का नियमित सेवन करो। इससे तुम हमेशा स्वस्थ रहोगे और पढ़ने में भी मन लगेगा। *

खुलेंगे स्कूल तो आएगा मजा

स्कूल खुलने पर उदास होने के बजाय खुश होना चाहिए। क्योंकि लंबे समय बाद तुम्हें अपने क्लासमेट्स मिलेंगे, जिनके साथ तुम खूब मौज-मस्ती, खेलकूद और हंसी-मजाक करते थे। साथ ही वे टीचर्स भी मिलेंगे, जो तुम्हारी प्रॉब्लम्स को चुटकियों में सॉल्व कर देते हैं। बच्चों, याद रखो पढ़ाई-लिखाई एक बोझ नहीं, बल्कि तुम्हारे जीवन को सहज-सुगम, सफल और समृद्ध बनाने का माध्यम है। इसलिए अनमने ढंग से स्कूल जाने के बजाय हैप्पी, कूल और पॉजिटिव एटिट्यूड के साथ स्कूल जाने की तैयारी शुरू कर दो। हमारी गुड विशेज ...

जीके क्विज-110

1. अठारहवीं लोकसभा के नए अध्यक्ष कौन बने है?
2. लगातार तीसरी बार किसे भारत का राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बनाया गया है?
3. पिछले दिनों किस देश ने अपनी पहली अंतरिक्ष एजेंसी KASA प्रारंभ की?
4. हाल ही में हैदराबाद किस राज्य की पूर्ण राजधानी बना है?
5. सापेक्षता का सिद्धांत (थ्योरी ऑफ रिलेटिविटी) की खोज किसने की थी?
6. विश्व का सबसे घना जंगल कौन-सा है?
7. 'लावणी' किस राज्य का पारंपरिक नृत्य है?
8. भारत में केसर का उत्पादन सबसे ज्यादा किस राज्य में होता है?
9. पृथ्वी का एकमात्र प्राकृतिक उपग्रह कौन-सा है?
10. विश्व का सबसे बड़ा मरुस्थल कौन-सा है?

बच्चों, जीके क्विज-110 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें **balbhoomihb@gmail.com** पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-109 का उत्तर : 1.उपेंद्र द्विवेदी, 2.पेमा खांडू, 3.महर्षि पतंजलि, 4.21 जून 2015, 5.जिमनास्टिक्स, 6.व्हांगहो, 7.किडनी, 8.फुटबॉल 9.स्कॉटलैंड 10.मैलिक अम्ल

जीके क्विज-109 का सही उत्तर देने वाले : मानवी मधुकर-बिलासपुर, नितिन-दुर्ग, कबीर-हिसार, आरती-ईमेल से, अत्रेयन-ईमेल से, अजय-धमतरी, लीना-ईमेल से, अंजलि-ईमेल से, शुभम-बिलासपुर, दीक्षा-रायपुर, सरबजीत-करनाल, क्षमानिधि-बेमेतरा, दिव्यम-रोहतक, केशव-भोपाल, आर्यन-रोहतक

हंसगुल्ले

टीचर : मैंने ब्लैक बोर्ड पर क्या लिखा है, पढ़कर बताओ।
रोहन : तरबूजा।
टीचर : ठीक से देखो, तजुरबा लिखा है।
रोहन : सर, गर्मी इतनी ज्यादा पड़ रही है कि तजुरबा भी तरबूजा दिखाई दे रहा है।
-आकाश, रोहतक

चिंटू : मम्मी, एडमिशन फॉर्म में आइडेंटिफिकेशन मार्क के कॉलम में क्या लिखूं?
मम्मी : 'हाथ में मोबाइल' लिख दो।
-अमन, रायपुर

पप्पू : पढ़ाई कैसी चल रही है?
गप्पू : समंदर जितना सिलेबस है, नदी जितना पढ़ पाता हूं, बाल्टी भर याद होता है, गिलास भर लिख पाता हूं, चुल्लू भर नंबर आते हैं... उसी चुल्लू में डूबने का मन करता है।
-हितेन, भोपाल

कहानी

पवन कुमार वर्मा

मुर्गों को लगा कि अब वो जमाना गया, जब लोग उनकी बांग से सुबह जागते थे। मुर्गों ने एक आपात बैठक बुलाई कि क्या उन्हें अब सुबह-सुबह बांग देना चाहिए? युवा मुर्गों का मत था, बदले दौर को देखते हुए हमें बांग देना बंद कर देना चाहिए, लेकिन बूढ़े मुर्गे इस बात से सहमत नहीं थे, उन्होंने जो तर्क रखे, युवा मुर्गे आगे कुछ ना बोल सके। आखिर मुर्गों की इस बैठक में तय क्या हुआ?

मुर्गों की आपात बैठक

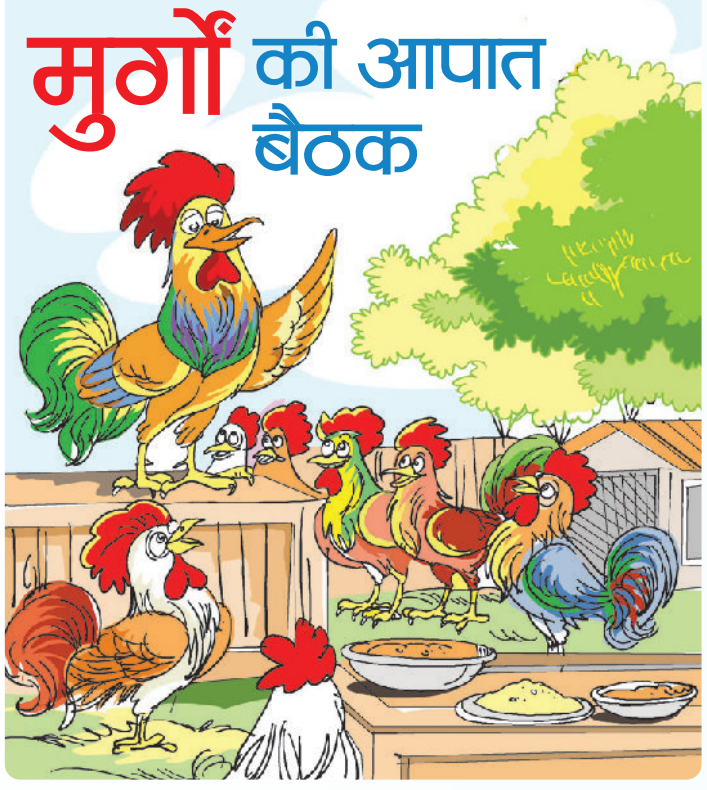

आज मुर्गों ने आपात बैठक बुलाई थी, जिसे लेकर पूरे मुर्गा समाज में गहमा-गहमी थी। दूर-दूर से मुर्गे इस आपात बैठक में भाग लेने आए थे। दरअसल, कुछ वर्षों से मुर्गे बहुत परेशान थे। लोगों को सुबह जल्दी जगाने के लिए उन्हें बांग देने की आदत है- कुकडू-कू... कुकडू-कू। लेकिन अब उनकी बांग का कोई असर ही नहीं होता। लोग जल्दी सोना और जल्दी जागना भूल गए हैं। मुर्गे की बांग से जागना लोगों के लिए अब बीते जमाने की बात हो गई है। ऐसे में मुर्गों को क्या करना चाहिए? यह बैठक इसी पर चर्चा के लिए बुलाई गई थी। बैठक में आए मुर्गे अपनी-अपनी जगह बैठ गए। कुछ मुर्गे तो केवल बढ़िया खाने की लालच में आए थे। वे इस प्रतीक्षा में थे कि बैठक जल्द समाप्त हो और वे खाने पर टूट पड़ें।

'भाइयों! अब आप बारी-बारी से अपनी बात रखना प्रारंभ करें।' इस घोषणा के साथ बैठक शुरू हो गई। सबसे पहले एक उत्साही नौजवान मुर्गे ने बड़े जोर-शोर से अपनी बात रखी, 'मुझे तो लगता है कि सुबह-सुबह हमारे बांग देने का कोई अर्थ नहीं रह गया है। रात-दिन का अंतर अब समाप्त हो चुका है। दुनिया बदल गई है। लोग चौबीस घंटे काम कर रहे हैं। जब सोकर उठने का समय होता है, तब लोग सोने जाते हैं। फिर क्यों हम उन्हें अनावश्यक परेशान करें?' 'मैं इससे पूरी तरह सहमत हूं। अब हमें भी बदलते वक्त और लोगों की सुविधानुसार खुद को बदलना चाहिए। इसी में समझदारी है भाई।' एक और नौजवान मुर्गे ने सभी को आगाह किया। तभी एक अधेड़ उम्र मुर्गे ने ऐसी बात कह दी कि पंडाल ठहाकों से गूंज उठा, 'भाई! कौन-सी बांग की बात कर रहे हैं आप? मैं जहां रहता हूं, वहां एक छात्रावास है, जिसमें पढ़ने वाले बच्चे रहते हैं। मैं सुबह बांग देने के लिए आंखें मलता जब बाहर आता हूं, तो हैरान रह जाता हूं। छात्रावास के बच्चे पहले से ही मैदान में कसरत और योग करते दिखाई देते हैं। हमसे पहले तो छात्रावास में लगी घंटी उन्हें जगा देती है। ऐसे में उन्हें हमारी बांग की क्या जरूरत?'

'लेकिन इसके बाद भी तो जल्दी उठने वालों की संख्या दिनों-दिन घट रही है। आखिर लोग सुबह जल्दी उठने का लाभ क्यों नहीं लेना चाहते? शायद इसी कारण लोगों का स्वास्थ्य समय से पहले गड़बड़ हो रहा है।' मंच पर बैठे एक मुर्गे ने उस अधेड़ उम्र मुर्गे की बात पर टिप्पणी की। 'भाई देखिए, चाहे कोई कुछ भी कहे, यह मामला बहुत गंभीर है। प्रकृति ने जो कार्य हमें सौंपा है, उसमें बाधा उत्पन्न हो रही है। अब हमें भी अपने लिए कोई और काम सोचना चाहिए। हम दिनों दिन अपनी पहचान खोते जा रहे हैं।' एक शांत स्वभाव वाले बूढ़े मुर्गे ने बड़ी विनम्रता से अपनी बात रखी। कुछ मुर्गों ने उसकी बात का भी समर्थन किया।

'अब आप लोग ही कोई सुझाव दीजिए। क्या हमें बांग देने का काम छोड़ देना चाहिए?' मंच पर बैठे एक मुर्गे ने पूछा।

'कतई नहीं। कम से कम मैं तो बांग देना नहीं छोडूंगा। यह कार्य हमारे पूर्वज करते आ रहे हैं। आज भी गांव-देहात में लोग हमारी बांग पर ही उठते हैं।' एक बूढ़ा मुर्गा कांपती आवाज में बोला। सभी की निगाहें उसकी ओर चली गईं। तभी एक और बूढ़ा मुर्गा लड़खड़ाती आवाज में बोला,'लोगों की सुविधा के लिए हमें अपने-आप को कतई नहीं बदलना चाहिए। वह भी तब, जब लोग जानबूझ कर अपने स्वास्थ्य से खिलवाड़ कर रहे हैं। मेरा तो मानना है कि इस समय हमारी भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो गई है। हमें इसे और भी जिम्मेदारी के साथ निभाना चाहिए।'

'मैं आपसे पूरी तरह सहमत हूं। मुझे विश्वास है कि देर-सवेर लोग इस बात को जरूर समझेंगे। वे सुबह जल्दी उठेंगे। हमें हिम्मत नहीं हारनी चाहिए। अपना कार्य जोर-शोर से करते रहना चाहिए।' एक और बूढ़े मुर्गे ने कड़कती आवाज में अपनी बात रखी। उसकी बात समाप्त होते ही चारों ओर सन्नाटा छा गया। सभी एक-दूसरे की ओर देखने लगे। युवा मुर्गे भी खामोश रहे। उन बूढ़े मुर्गों की बात सुनकर सभी का टूटा विश्वास फिर से लौट आया था। धीरे-धीरे सभी बूढ़े मुर्गों की बातों पर सहमत हो गए। अंत में यह तय किया गया कि वे सुबह बांग देना बिल्कुल नहीं छोड़ेंगे। कभी न कभी तो वह दिन आएगा, जब लोग जल्दी सोने और जल्दी उठने के फायदे समझेंगे और इस आदत को अपनाएंगे। *

कविता

शिवचरण चौहान

टिटहरी का गीत

टिट टिटहरी टिट टिटहरी
टी टी टी टी बोले।
उड़े गगन में ऊंचे चिड़िया
पंख हवा में तोले।।
नहीं टिटहरी बैठा करती
कभी किसी भी पेड़ में।
बैठा करती टीले ऊपर
कभी खेत की मेड़ में।
नन्हे-नन्हे बच्चे इसके
लगते कितने भोले।।
पंख हवा में तोले।।
लाल चोंच है,पीठ सिलेटी
और पैर हैं पीले।
ताल किनारे रहती
फिर भी पैर न करती गीले।
अरी टिटहरी घर आ मेरे
बिस्तर में आ सो ले।।
पंख हवा में तोले।।

रंग भरो-153

रंग भरो-153 में दिए गए चित्र को तुम लोगों ने बहुत अच्छे से रंगकर हमें भेजा। उनमें से चुना गया सबसे अच्छा चित्र हम यहां प्रकाशित कर रहे हैं। उसे रंगकर भेजने वाले बच्चे के चित्र के साथ कुछ अन्य बच्चों के नाम और चित्र भी प्रकाशित कर रहे हैं।

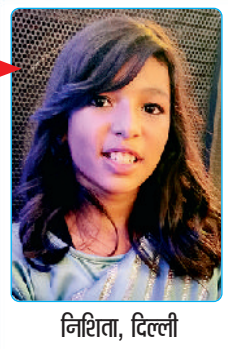
निशिता, दिल्ली

दिव्यांश, दुर्ग

दिव्या, बिलासपुर

डॉली, मटियारी

दीक्षा, रायपुर

अंकित, धमतरी

इनके भी चित्र रहे प्रशंसनीय

आतिया-बहादुरगढ़, प्रगति-बिलासपुर, सौम्य-बालोद, युक्ति-धमतरी, दिशांत-महेंद्रगढ़, शुभम-बिलासपुर, लोकेश-रोहतक, कमल-महासमुंद, प्रिया-रायगढ़, खुशी-भिवानी, चंपक-जांजगीर, कविता-कटनी, हितेश-दिल्ली, सौनक-धमतरी, कृश-बालोद

रंग भरो 154

बच्चों, इस चित्र में चिंटू अपने डॉगी को प्यार से खाना दे रहा है। इस चित्र को मनचाहे रंगों से रंग कर हमें भेजो। जिस बच्चे का चित्र सर्वश्रेष्ठ होगा, उसे हम बालभूमि में प्रकाशित करेंगे। चित्र के साथ अपनी फोटो, अपना और शहर का नाम हमें इस पते पर भेजो- संपादक - फीचर, हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सेंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली- 110035 या ई-मेल आईडी balbhoomi-hb@gmail.com पर मेल करो।

एक समान चित्र खोजो

बच्चों, यहां मंकी के कई सारे चित्र दिए गए हैं। इनमें से दो चित्र बिल्कुल एक जैसे हैं। तुमको एक जैसे दिखने वाले दोनों चित्रों को खोजना है। जल्दी से खोजो जरा

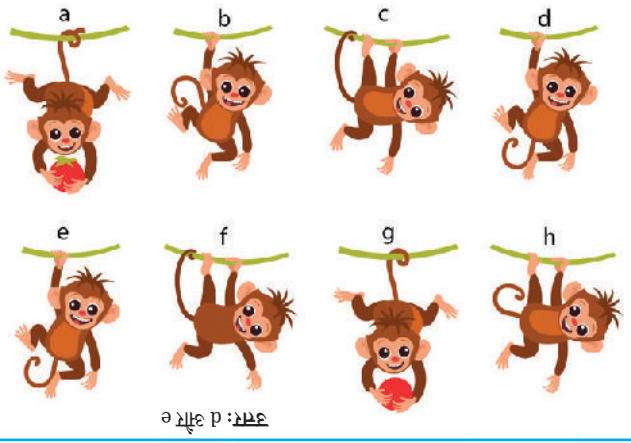

उत्तर: d और e

खबर संक्षेप

युवक ने फंदा लगाकर की आत्महत्या

रेवाड़ी। संगवाड़ी में एक 42 वर्षीय युवक ने संदिग्ध हालत में फंदा लगाकर जान दे दी। रात के समय संजीव अपने कमरे में सोया हुआ था। सुबह उसका शव फांदी के फंदे पर लटकता मिला। परिजनों की सूचना पर कसोला पुलिस ने मौक पर जाकर शव को कब्जे में ले लिया। सीन ऑफ क्राइम टीम को मौके पर बुलाया गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम कराने के बाद उसे परिजनों के हवाले कर दिया।

पिकअप की टक्कर से बाइक सवार घायल

जाटूसाना। लिसाना के निकट एक पिकअप की टक्कर से बाइक सवार दो भाई घायल हो गए। जाटूसाना निवासी देवराज बावल की एक कंपनी में एप्रेंटिस कर रहा है। वह अपने भाई दीपांशु के साथ बाइक पर बावल कंपनी में जा रहा था। लिसाना के पास एक पिकअप गाड़ी ने बाइक को टक्कर मार दी, जिससे दोनों भाई बाइक से गिरकर घायल हो गए। आसपास के लोगों ने दोनों को अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद पिकअप चालक की तलाश शुरू कर दी।

आंखों के सामने ईको गाड़ी लेकर भाग गया चोर

धारूहेड़ा। शनि मंदिर के पास खड़ी एक ईको गाड़ी को चोर मालिक की नजरों के सामने लेकर भाग गया। पीछा करने के बाद भी उसका कोई पता नहीं चल सका। धारूहेड़ा थाना पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद गाड़ी व आरोपी की तलाश शुरू कर दी। नांगलमूंदी निवासी नरेश कुमार किसी काम से ईको गाड़ी लेकर गुरूग्राम गया था। वीरवार सुबह करीब 5 बजे उसने शनि मंदिर के पास गाड़ी खड़ी कर दी। वह पास में ही एक चाय की दुकान पर जलपान करने के लिए चला गया। इसी दौरान एक युवक उसकी गाड़ी लेकर फरार हो गया। उसने गाड़ी का पीछा करने का प्रयास किया, लेकिन आरोपी तेज गति से गाड़ी भगा ले गया। नरेश ने घटना की सूचना तुरंत पुलिस को दी। सूचना मिलने के बाद भी पुलिस गाड़ी को पकड़ नहीं पाई।

आईजीयू में विभिन्न कोर्सों में आवेदन की तिथि बढ़ाई

रेवाड़ी। इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर में विश्वविद्यालय शैक्षणिक विभागों में चल रहे विभिन्न कोर्सों में आवेदन की तिथि बढ़ा दी गई है। आवेदक विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर 29 जून रात्रि 11:59 बजे तक ऑनलाइन आवेदन जमा कर सकते है। अकादमिक शाखा से प्राप्त हुई जानकारी के अनुसार अतिरिक्त प्रवेश परीक्षा एवं काउंसलिंग का शेड्यूल पहले वाला ही रहेगा। सूचना विवरणिका विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

परमहंस कुटी में सत्संग का हुआ आयोजन

धारूहेड़ा। नंदरामपुर बास गांव स्थित परमहंस कुटी में प्रतिदिन सत्संग का आयोजन किया जा रहा है। शंकर दास महाराज श्रद्धालओं को प्रवचन दे रहे है। वीरवार को आयोजि सत्संग में महाराज ने कहा कि भगवान निश्चित उन भक्तों को ही मिलते है, जिनके जीवन में भगवान की सच्ची चाह होती है। जब तक हम मनोकामना पूर्ति के लिए भगवान को मना रहे हैं तब तक सांसारिक वस्तु तो मिल सकती है, पर भगवान नहीं मिलते है। इस अवसर रणधीर सिंह यादव, ताराचंद सैनी, डा. ज्ञान प्रसाद, बलराम जांगिड़, भोलाराम, रघुवीर व चांद सिंह सहित अनेक श्रद्धालु मौजूद थे।

जिला परिवेदना समिति की बैठक 30 को

रेवाड़ी। नागरिकों की शिकायतों का निवारण करने के लिए जिला लोक संपर्क एवं परिवेदना समिति की मासिक बैठक 30 जून को दोपहर 12 बजे बाल भवन स्थित ऑडिटोरियम में आयोजित की जाएगी। हरियाणा विद्यालय शिक्षा राज्य मंत्री एवं चेयरपर्सन जिला लोक संपर्क एवं परिवेदना समिति सीमा त्रिखा लोगों की समस्याएं सुनेंगी। डीसी राहुल हुड्डा ने बताया कि बैठक में 12 नए व 3 पुराने परिवादों सहित कुल 15 परिवाद रखे जाएंगे। उन्होंने सभी विभागाध्यक्षों को निर्धारित तिथि व समय पर रिपोर्ट सहित बैठक में पहुंचने के निर्देश दिए हैं।

हरियाणा से गुजरने वाली 25 ट्रेनों में एक जुलाई से बढ़ेंगे डिब्बे, ट्रेनों में भीड़ होने पर यात्रियों को मिलेगी राहत

रेलवे ने यात्रियों के लिए 39 जोड़ी रेलसेवाओं में बढ़ाये 74 डिब्बे, अगस्त तक मिलेगी सुविधा

हरिभूमि न्यूज ⏭रेवाड़ी

रेलवे प्रशासन की ओर से अतिरिक्त यात्री यातायात को देखते हुए यात्रियों की सुविधा के लिए 39 जोड़ी रेलसेवाओं में विभिन्न श्रेणी के 74 डिब्बों की अस्थाई बढ़ोतरी की जा रही है। उत्तर पश्चिम रेलवे के सीपीआरओ कैप्टन शशि किरण ने बताया कि ट्रेनों में डिब्बों की बढ़ोतरी पहली जुलाई से की जा रही है। इनमें 25 के करीब रेलसेवाएं हरियाणा रेलमार्ग से गुजरने वाली है, जिनमें रेवाड़ी, रोहतक, हिसार, भिवानी, गुरुग्राम व जींद से गुजरने वाली ट्रेनें शामिल है।

इन रेलसेवाओं में बढ़ेंगे डिब्बे

गाड़ी संख्या 22471/22472 बीकानेर-दिल्ली सराय-बीकानेर रेलसेवा में बीकानेर से 1 जुलाई से 31 जुलाई तक तथा दिल्ली सराय से 3 जुलाई से 2 अगस्त तक 1 सैकेंड एसी व 2 द्वितीय शयनयान श्रेणी डिब्बों की अस्थाई बढ़ोतरी की जा रही है। गाड़ी संख्या 20473/20474 दिल्ली सराय-उदयपुर सिटी-दिल्ली सराय रेलसेवा में दिल्ली सराय से 1 से 31 जुलाई तक तथा उदयपुर सिटी से 2 जुलाई से 1 अगस्त तक 1 सैकेंड एसी व 2 द्वितीय शयनयान श्रेणी डिब्बे, गाड़ी संख्या 22475/22476 हिसार-कोयम्बटूर-हिसार रेलसेवा में हिसार से 3 से 31 जुलाई तक तथा कोयम्बटूर से 6 जुलाई से 3 अगस्त तक 1 सैकेंड एसी श्रेणी व 1 थर्ड एसी डिब्बे, गाड़ी संख्या 14707/14708 बीकानेर-दादर-बीकानेर रेलसेवा में बीकानेर से दिनांक 1 से 31 जुलाई तक एवं दादर से 2 जुलाई से 1 अगस्त तक 1 द्वितीय शयनयान श्रेणी डिब्बे, गाडी संख्या 12991/12992 उदयपुर सिटी-जयपुर-उदयपुर सिटी रेलसेवा में 1 से 31 जुलाई तक 2 साधारण, 1 द्वितीय कुर्सीयान व 1 थर्ड एसी इकोनोमी श्रेणी डिब्बे, गाड़ी संख्या 12495/12496 बीकानेर-कोलकाता-बीकानेर रेलसेवा में बीकानेर से 4 से 25 जुलाई तक एवं कोलकाता से 5 से 26 जुलाई तक 1 थर्ड एसी इकोनामी श्रेणी डिब्बे, गाड़ी संख्या 20471/20472 बीकानेर-पुरी-बीकानेर रेलसेवा में बीकानेर से 7 से 28 जुलाई तक एवं पुरी से 10 से 31 जुलाई तक 1 थर्ड एसी इकोनोमी श्रेणी डिब्बे, गाड़ी संख्या 22473/22474 बीकानेर-बान्द्रा टर्मिनस-बीकानेर रेलसेवा में बीकानेर से 1 से 29 जुलाई तक तथा बान्द्रा टर्मिनस से 2 से 30 जुलाई तक 1 थर्ड एसी इकोनोमी श्रेणी डिब्बे, गाड़ी संख्या 22977/22978, जयपुर-जोधपुर-जयपुर रेलसेवा में 1 से 31 जुलाई तक 1 थर्ड एसी व 1 फर्स्ट मय सैकेंड एसी श्रेणी डिब्बे, गाड़ी संख्या 19613/19612 अजमेर-अमृतसर-अजमेर रेलसेवा में अजमेर से 1 से 31 जुलाई तक तथा अमृतसर से 2 जुलाई से 1 अगस्त तक 2 द्वितीय शयनयान श्रेणी डिब्बे, गाड़ी संख्या 19611/19614 अजमेर-अमृतसर-अजमेर रेलसेवा में अजमेर से 1 से 31 जुलाई तक तथा अमृतसर से 2 जुलाई से 1 अगस्त तक 2 द्वितीय शयनयान श्रेणी डिब्बे, गाड़ी संख्या 19608/19607 मंदार-कोलकाता-मंदार एक्सप्रेस में मंदार से 1 से 29 जुलाई तक एवं कोलकाता से 4 जुलाई से 1 अगस्त तक 1 सैकेंड एसी, 1 थर्ड एसी इकोनोमी, 1 द्वितीय शयनयान डिब्बे तथा गाड़ी संख्या 19601/19602 उदयपुर सिटी-न्यूजलपाईगुडी-उदयपुर सिटी साप्ताहिक

रेवाड़ी। रेवाड़ी रेलवे स्टेशन से गुजरती हुई यात्री ट्रेन।

रेलसेवा में उदयपुर सिटी से 6 से 27 जुलाई तक एवं न्यूजलपाईगुडी से 8 से 29 जुलाई तक 1 थर्ड एसी इकोनामी श्रेणी डिब्बे की अस्थाई बढ़ोतरी की जा रही है।

अजमेर-दिल्ली सराय रोहिल्ला में डिब्बों की बढ़ोतरी

गाड़ी संख्या 12065/12066 अजमेर-दिल्ली सराय रोहिल्ला-अजमेर जन शताब्दी रेलसेवा में 1 से 31 जुलाई तक 2 द्वितीय कुर्सीयान व 1 वातानकुलित कुर्सीयान श्रेणी डिब्बे, गाड़ी संख्या 19666/19665 उदयपुर सिटी-खजुराहो-उदयपुर सिटी रेलसेवा में उदयपुर सिटी से 1 से 31 जुलाई तक एवं खजुराहो से 3 जुलाई से 2 अगस्त तक 1 साधारण श्रेणी डिब्बे, गाड़ी संख्या 19701/19702 जयपुर-दिल्ली कैंट-जयपुर रेलसेवा में जयपुर से 1 से 31 जुलाई तक तथा दिल्ली कैंट से 3 जुलाई से 2 अगस्त तक 1 थर्ड एसी व 1

द्वितीय शयनयान श्रेणी डिब्बे, गाड़ी संख्या 20409/20410 दिल्ली-बठिण्डा-दिल्ली रेलसेवा में दिल्ली से 2 जुलाई से 1 अगस्त तक तथा बठिण्डा से 2 जुलाई से 1 अगस्त तक 1 थर्ड एसी व 1 द्वितीय शयनयान श्रेणी डिब्बे, गाड़ी संख्या 14806/14805 बाड़मेर-यशसवंतपुर-बाड़मेर रेलसेवा में बाड़मेर से 4 से 25 जुलाई तक तथा यशवंतपुर से 8 से 29 जुलाई तक 1 थर्ड एसी श्रेणी डिब्बे, गाड़ी संख्या 14801/14802 जोधपुर-इंदौर-जोधपुर रेलसेवा में जोधपुर से 1 से 31 जुलाई तक एवं इंदौर से 4 जुलाई से 3 अगस्त तक 3 द्वितीय शयनयान व 1 साधारण श्रेणी डिब्बे, गाड़ी संख्या 12465/12466 इंदौर-भगत की कोठी-इंदौर रेलसेवा में इंदौर से 2 जुलाई से 1 अगस्त तक एवं भगत की कोठी से 3 जुलाई से 2 अगस्त तक 3 द्वितीय शयनयान व 1 साधारण श्रेणी डिब्बे, गाड़ी संख्या 20971/20972 उदयपुर सिटी-शालीमार-उदयपुर सिटी रेलसेवा में उदयपुर सिटी से 6 से 27 जुलाई तक एवं शालीमार से 7 से 28 जुलाई तक 1 थर्ड एसी इकोनोमी श्रेणी डिब्बे, गाड़ी संख्या 09721/09722 जयपुर-उदयपुर सिटी-जयपुर रेलसेवा में जयपुर से 1 से 31 जुलाई तक एवं उदयपुर सिटी से 2 जुलाई से 1 अगस्त तक 1 साधारण श्रेणी डिब्बे, गाड़ी संख्या 19703/19704 उदयपुर-असारवा-उदयपुर रेलसेवा में उदयपुर से 1 से 31 जुलाई तक एवं असारवा से 2 जुलाई से 1 अगस्त तक 1 साधारण श्रेणी डिब्बे, गाड़ी संख्या 14854/14853 जोधपुर-वाराणसी सिटी-जोधपुर रेलसेवा में जोधपुर से 1 से 31 जुलाई तक तथा वाराणसी सिटी से 2 जुलाई से 1 अगस्त तक 1 थर्ड एसी श्रेणी डिब्बे, गाड़ी संख्या 14864/14863 जोधपुर-वाराणसी सिटी-जोधपुर रेलसेवा में जोधपुर से 1 से 31 जुलाई तक तथा वाराणसी सिटी से 2 जुलाई से 1 अगस्त तक 1 थर्ड एसी श्रेणी डिब्बे तथा गाड़ी संख्या 14866/14865 जोधपुर-वाराणसी सिटी-जोधपुर रेलसेवा में जोधपुर से 1 से 31 जुलाई तक तथा वाराणसी सिटी से 2 जुलाई से 1 अगस्त तक 1 थर्ड एसी श्रेणी डिब्बे की अस्थाई बढ़ोतरी की जा रही है।

इन ट्रेनों में भी होगी डिब्बों की बढ़ोतरी

गाडी संख्या 22987/22988 अजमेर-आगराफोर्ट-अजमेर रेलसेवा में 1 से 31 जुलाई तक 1 थर्ड एसी श्रेणी डिब्बे, गाड़ी संख्या 22483/22484 जोधपुर-गांधीधाम-जोधपुर रेलसेवा में जोधपुर से 1 से 31 जुलाई तक तथा गांधीधाम से 2 जुलाई से 1 अगस्त तक 1 सैकेंड एसी व 1 द्वितीय शयनयान श्रेणी डिब्बे, गाड़ी संख्या 14807/14808 जोधपुर-दादर-जोधपुर रेलसेवा में जोधपुर से 2 से 30 जुलाई तक एवं दादर से 3 से 31 जुलाई तक 2 द्वितीय शयनयान श्रेणी डिब्बे, गाड़ी संख्या 20483/20484 भगत की कोठी-दादर-भगत की कोठी रेलसेवा में भगत की कोठी से 1 से 29 जुलाई तक एवं दादर से 2 से 30 जुलाई तक 2 द्वितीय शयनयान श्रेणी डिब्बे, गाड़ी संख्या 12482/12481 श्रीगंगानगर-दिल्ली-श्रीगंगानगर एक्सप्रेस रेलसेवा में श्रीगंगानगर से 1 से 31 जुलाई तक एवं दिल्ली से 2 जुलाई से 1 अगस्त तक 1 थर्ड एसी व 3 साधारण श्रेणी डिब्बे, गाड़ी संख्या 14731/14732 दिल्ली-बठिण्डा-दिल्ली एक्सप्रेस रेलसेवा में दिल्ली से 1 से 31 जुलाई तक एवं बठिण्डा से 2 जुलाई से 1 अगस्त तक 1 थर्ड एसी व 3 साधारण श्रेणी डिब्बे, गाड़ी संख्या 20485/20486 जोधपुर-साबरमती-जोधपुर रेलसेवा में जोधपुर से 1 से 31 जुलाई तक एवं साबरमती से 3 जुलाई से 2 अगस्त तक 2 द्वितीय शयनयान श्रेणी डिब्बे, गाड़ी संख्या 20492/20491 साबरमती-जैसलमेर-साबरमती रेलसेवा में साबरमती से 1 से 31जुलाई तक एवं जैसलमेर से 2 जुलाई से 1 अगस्त तक 2 द्वितीय शयनयान श्रेणी डिब्बे, गाड़ी संख्या 14717/14718 बीकानेर-हरिद्वार-बीकानेर रेलसेवा में बीकानेर से 1 से 15 जुलाई तक एवं हरिद्वार से 2 से 16 जुलाई तक 1 थर्ड एसी व 1 द्वितीय शयनयान श्रेणी डिब्बे, गाड़ी संख्या 14725/14726 भिवानी-मथुरा-भिवानी रेलसेवा में भिवानी से 1 से 31 जुलाई तक व मथुरा से 2 जुलाई से 1 अगस्त तक 1 साधारण श्रेणी डिब्बे, गाड़ी संख्या 04794/04793 मथुरा-सवाईमाधोपुर-मथुरा रेलसेवा में मथुरा से 1 से 31 जुलाई तक एवं सवाईमाधोपुर से 2 जुलाई से 1 अगस्त तक 1 साधारण श्रेणी डिब्बे, गाड़ी संख्या 14796/14795 भिवानी-कालका-भिवानी रेलसेवा में 3 जुलाई से 2 अगस्त तक 1 साधारण श्रेणी डिब्बे तथा गाड़ी संख्या 14705/14706 भिवानी-ढेहर का बालाजी-भिवानी रेलसेवा में 4 जुलाई से 3 अगस्त तक 1 साधारण श्रेणी डिब्बे की अस्थाई बढ़ोतरी की जा रही है।

कार्यस्थल पर सुरक्षा मानकों व नियमों का ध्यान रखें औद्योगिक इकाइयां : एसडीएम

हरिभूमि न्यूज. रेवाड़ी

हरियाणा में औद्योगिक और निर्माण स्थल पर व्यापक सुरक्षा प्रबंध व व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए महानिदेशक उद्योग एवं वाणिज्य हरियाणा ने वीरवार को वीसी के माध्यम से आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिला प्रशासन की ओर से एसडीएम बावल मनोज कुमार सहित अन्य अधिकारी व औद्योगिक इकाईयों के प्रतिनिधि वीसी में मौजूद थे। इस अवसर परएसडीएम मनोज कुमार ने औद्योगिक इकाइयों के प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए कहा कि औद्योगिक इकाइयों और निर्माण स्थल पर व्यापक सुरक्षा प्रबंध व व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए सरकार की ओर से जिला राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग, अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा विभाग, मुख्य विद्युत निरीक्षणालय, एचएसआईआईडीसी, बॉयलर निरीक्षणालय, श्रम विभाग, पेट्रोलियम और विस्फोटक सुरक्षा संगठन व औद्योगिक संघों के प्रतिनिधि के आपसी समन्वय से जिले में विशेष सुरक्षा जागरूकता अभियान चलाकर औद्योगिक इकाइयों के प्रतिनिधियों सहित श्रमिकों को जागरूक किया जाएगा।

एसडीएम ने कहा कि वर्तमान समय में कार्यस्थलों में औद्योगिक सुरक्षा एक सर्वोपरि चिंता का विषय है। श्रमिकों

रेवाड़ी। अधिकारियों की बैठक लेते एसडीएम मनोज कुमार।

की सुरक्षा व भलाई नियोक्ताओं के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। औद्योगिक सुरक्षा के प्रमुख स्तंभों में से एक सुरक्षा उपकरणों का उपयोग है। यह विशेष उपकरण और गियर श्रमिकों को संभावित खतरों से बचाने और उनके कार्य कार्यों से जुड़े जोखिमों को कम करने के लिए डिजाइन किए जाते हैं। श्रमिकों को सुरक्षित कार्य वातावरण सुनिश्चित करने में सुरक्षा उपकरणों का बहुत महत्व है। सुरक्षा उपकरण कार्यस्थल पर होने वाले विभिन्न खतरों से बचाव के लिए सुरक्षा कवच का काम करते हैं। सुरक्षा हेलमेट, सुरक्षा चश्मा, इयरप्लग, दस्ताने और सुरक्षा जूते जैसे उपकरण दुर्घटनाओं और चोटों को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने औद्योगिक इकाइयों के प्रतिनिधियों को औद्योगिक क्षेत्रों में कार्यस्थल पर सुरक्षा मानकों व नियमों का पूरा ध्यान रखने की आवश्यकता पर बल दिया।

अधिकारी के व्यवहार को लेकर व्यापारियों में रोष

हरिभूमि न्यूज. रेवाड़ी

- व्यापारियों ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी व क्षेत्र के सांसद राव इंद्रजीत सिंह से अपनी समस्याओं और अधिकारी के गलत व्यवहार के बारे में मिलने का निर्णय भी लिया

संयुक्त व्यापार संगठन की बैठक वीरवार को मियांवाली पंचायत घर में आयोजित की गई। बैठक में गत मंगलवार को बाजार की समस्याओं को लेकर लघु सचिवालय में ज्ञापन देने के दौरान अधिकारी का व्यवहार असंतोषजनक होने पर सभी व्यापारियों ने रोष प्रकट किया। इस पर व्यापारियों ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि भविष्य में इस तरह की घटना किसी भी अधिकारी या प्रशासन की तरफ से होती है तो व्यापारी उनके प्रोग्राम का बहिष्कार करेंगे। व्यापारियों ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी व क्षेत्र के सांसद राव इंद्रजीत सिंह से अपनी समस्याओं और अधिकारी के गलत व्यवहार के बारे में मिलने का निर्णय भी लिया। इस मौके पर पुरुषोत्तम दास व अनिल अरनेजा मोती चौक, विपिन अग्रवाल व जवाहर नागपाल गोकल बाजार, राजेश दत्त व विकास गुप्ता काठ मंडी, नीरज सोनी स्वर्णकार बिरादरी, मनीष चराया रेलवे रोड, प्रदीप जैन व कमल बत्रा सराफा बाजार, सरदार बलबीर सिंह, संदीप कालरा पंजाबी मार्केट कॉम्प्लेक्स, विनोद अरोड़ा पंजाबी मार्केट वेलफेयर, पंकज कुमार केवल बाजार, धीरज शर्मा भाड़ावास रोड, राम चंद अघी कटला बाजार, सुंदर मुदगिल ऑटो मार्केट, सुभाष खत्री व राकेश भटोटिया नया बाजार, दीपेश भार्गव बजाजा बाजार, हेमंत अग्रवाल गल्ला व्यापार समिति, जितेंद्र जिंदल मैटल मर्चेंट तथा पवन बंसल गोकल बाजार सेंट्रल मौजूद थे।

न्यूज डायरी

रीजनल सेंटर में दाखिले के लिए रजिस्ट्रेशन की तिथि तीन जुलाई तक बढ़ाई

कोसली। भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के कृष्ण नगर गांव स्थित रीजनल सेंटर में दाखिला प्रक्रिया चल रही है। ग्रामीण छात्राओं की समस्याओं को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो सुदेश ने सभी स्नातक व स्नातकोत्तर कोर्सों में पंजीकरण के लिए आवेदन की तिथि को 3 जुलाई तक बढ़ा दिया है। निदेशक प्रो बलबीर सिंह ने बताया कि रीजनल सेंटर को आधुनिक सुविधाओं से युक्त नया भवन मिल गया है। सेंटर में बीए आनर्स मल्टीडिसीप्लिनरी में 100 सीटें, बेचलर ऑफ फिजिकल साइंस आनर्स मल्टीडिसीप्लिनरी में 60 सीटें तथा बीकाम आनर्स में 60 सीटें उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि इन कोर्स की सीटें नई राष्ट्रीय शिक्षानीति के अनुसार भरी जाएंगी। इसके अतिरिक्त एमए अंग्रेजी में 30 सीटें व एमए राजनीतिक विज्ञान में 40 सीटें उपलब्ध हैं। निदेशक ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्र में स्थित रीजनल सेंटर के आधुनिक भवन में आधुनिक लेब, खेल परिसर, कम्प्यूटर लैब, परिसर में सीसीटीवी कैमरे, एनएसएस यूनिट, आरओ वाटर कूलर तथा रीजनल सेंटर तक आने-जाने के लिए बस सुविधा उपलब्ध हैं।

प्रत्येक स्वस्थ मनुष्य रक्तदान करके बचा सकता एक अनमोल जीवनः डा. अरविंद

रेवाड़ी। भारत विकास परिषद् शाखा की ओर से वीरवार को निजी अस्पताल में परिषद् के प्रणेता डा. सूरज प्रकाश के जन्मदिन के अवसर पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण से की गई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डा. अरविंद यादव पूर्व चेयरमैन पर्यटन विभाग डा. सूरज प्रकाश को महान विभूति बताते हुए कहा कि आज पौधा वटवृक्ष बन गया है। भारत विकास परिषद् सेवा और संस्कार के कार्य में लगी हुई है।

राजकीय कृषि बीज फार्म टहना दीपालपुर की खुली बोली आज

रेवाड़ी। हरियाणा भूमि सुधार एवं विकास निगम समिति प्रबंधक अशोक कुमार ने बताया कि निगम के प्रबंधक कार्यालय के अधीनस्थ आने वाले राजकीय कृषि बीज फार्म टहना दीपालपुर तहसील पाल्हावास की 23 एकड़ 11 मरला भूमि को वित वर्ष 2024-25 में 30 अप्रैल 2025 तक के लिए कॉन्ट्रैक्ट फार्मिंग के माध्यम से बीज उत्पादन कराने के लिए खुली बोली की जाएगी। राजकीय कृषि बीज फार्म की खुली बोली के लिए इच्छुक बोलीदाता को 30,000 रुपये की धरोहर राशि जमा करानी होगी। उन्होंने बताया कि कृषि बीज फार्म की खुली बोली के लिए 5,80,000 रुपये आरक्षित मूल्य राशि निर्धारित की गई है। उन्होंने बताया कि बोली राजकीय कृषि बीज फार्म टहना दीपालपुर पर 28 जून 2024 को प्रातः 10 बजे शुरू होगी। कॉन्ट्रैक्ट फार्मिंग की सभी नियम व शर्तें बोली से पहले कृषि बीज फार्म पर सुना दी जाएंगी। बोली में भाग लेने वाले सभी इच्छुक किसानों को अपने साथ आधार कार्ड और परिवार पहचान पत्र की फोटो प्रति लेकर आनी होगी।

14 सितंबर तक फ्री में अपडेट करा सकते हैं आधार कार्ड

रेवाड़ी। यूआईडीएआई ने आमजन की सुविधा के लिए फ्री में आधार कार्ड अपडेट की तारीख बढ़ाकर 14 सितंबर कर दी है। डीसी राहुल हुड्डा ने कहा कि सरकारी योजनाओं का लाभ लेने में आधार कार्ड सबसे अहम दस्तावेज है और 10 साल पुराने आधार कार्ड को अपडेट कराना आवश्यक है।

सरकारी नौकरियों और शिक्षा तंत्र को खत्म कर रही बीजेपी: कैप्टन

हरिभूमि न्यूज. रेवाड़ी

कांग्रेस ओबीसी विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री कैप्टन अजय सिंह यादव ने कहा भाजपा एससी व ओबीसी वर्ग को शिक्षा नौकरी व आरक्षण से वंचित करना चाहती है। भाजपा नेता मंच से बोल रहे थे कि संविधान बदलने के लिए 400 सीटें लोकसभा में चाहिए। ऐसे में एससी व ओबीसी वर्ग भाजपा से क्या उम्मीद रख सकता है। हरियाणा प्रदेश के

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी बोल रहे हैं कि क्रीमीलेयर की वार्षिक आय 6 लाख से बढ़कर 8 लाख कर देंगे। पूर्वमंत्री ने कहा कि जब पूरे देश में क्रीमी लेयर की वार्षिक आय 8 लाख है तो इसमें भाजपा ने घोषणा करके कौन सा बड़ा काम किया है। बीजेपी प्रदेश से सरकारी नौकरियों और सरकारी शिक्षा तंत्र को खत्म कर रही है, ताकि वंचित वर्गों को शिक्षा, आरक्षण व नौकरी से वंचित रखा जा सकें।

मतदाता सूची सत्यापन कार्य 24 जुलाई तक जारी रहेगा

फोटोयुक्त मतदाता सूची का सत्यापन कार्य शुरू, बीएलओ घर-घर जाकर कर रहे सर्वे

- विशेष अभियान चलाकरपोलिंग स्टेशन पर नए वोट बनाए जाएंगे

हरिभूमि न्यूज ⏭रेवाड़ी

भारत निर्वाचन आयोग ने एक जुलाई 2024 को अर्हता तिथि मानते हुए फोटोयुक्त मतदाता सूची का द्वितीय विशेष संक्षिप्त संशोधन का कार्यक्रम जारी किया गया है। जिले में बीएलओ की ओर से घर-घर जाकर मतदाता सूची का सत्यापन कार्य शुरू कर दिया गया है, जोकि 24 जुलाई तक जारी रहेगा। डीसी राहुल हुड्डा ने नागरिकों से अभियान के तहत बीएलओ का सहयोग करते हुए सत्यापन कार्य कराने का आह्वान किया है। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि पुनरीक्षण से पहले चलाए जा रहे अभियान के दौरान मतदान केंद्रो का युक्तिकरण-पुनर्व्यवस्थापन व मतदाता सूची-ईपीआईसीएस में विसंगतियों को दूर करने का कार्य भी किया जाएगा। जहां भी आवश्यक होगी वहां मतदाता सूची में धुंधली, खराब गुणवत्ता वाली और विशिष्टताओं के अनुरूप नहीं तथा गैर-मानवीय छवियों को प्रतिस्थापित करके तस्वीरों की छवि गुणवत्ता में सुधार

डीसी राहुल हुड्डा।

किया जाएगा। अनुभाग-भागों का पुनर्निर्धारण और मतदान केंद्रों के अनुभाग-भाग की सीमा के स्थान के प्रस्तावित पुनर्गठन को अंतिम रूप दिया जाएगा और मतदान केंद्रों की सूची का अनुमोदन प्राप्त किया जाएगा। उन्होंने बताया कि नियंत्रण तालिका का अद्यतनीकरण प्रारूप 1 से 8 की तैयारी सहित 1 जुलाई 2024 को आधार तिथि मानकर एकीकृत ड्राफ्ट रोल की तैयारी की जाएगी।

विशेष अभियान चलाकर बनाए जाएंगे नए वोट

डीसी हुड्डा ने बताया कि पुनरीक्षण अभियान के तहत 25 जुलाई को मतदाता सूची का ड्राफ्ट प्रकाशन किया जाएगा तथा 25 जुलाई से 9 अगस्त तक दावें एवं आपत्तियां दर्ज कराई जा सकेंगी। उन्होंने बताया कि 19 अगस्त तक दावें एवं आपत्तियों का निपटारा करने उपरांत 20 अगस्त को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन किया जाएगा। विशेष अभियान चलाकर 27 जुलाई, 28 जुलाई तथा 3 अगस्त व 4 अगस्त को पोलिंग स्टेशन पर नए वोट बनाने का कार्य किया जाएगा। डीसी ने कहा कि बीएलओ घर-घर जाकर निर्धारित प्रोफार्मा के अनुसार मतदाताओं के बारे में जानकारी एकत्रित करें। त्रुटिरहित मतदाता सूची तैयार करने के दौरान 18 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्ति जिसका नाम मतदाता सूची में शामिल नहीं है, वह अपना फार्म भरकर बीएलओ को दे सकते हैं ताकि उनका नाम भी मतदाता सूची में शामिल किया जा सकें। अभियान के दौरान मतदाता सूची में दोहरे नामों को भी हटाया जाएगा।

प्रदेश में भ्रष्टाचार और महंगाई चरम पर: मदन सिंह

रेवाड़ी। आम आदमी पार्टी की ओर से वीरवार को बदलाव जनसंवाद की शुरूआत की गई, जिसकी अध्यक्षता जिला अध्यक्ष मदन सिंह ने की। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष ने हरियाणा में बदलाव को लेकर लोगों को जागरूक किया। उन्होंने कहा कि हरियाणा की जनता ने कई पार्टियों को मौके दिए, लेकिन इन्होंने जनता को बार-बार धोखा दिया। आज बेरोजगारी इतनी बढ़ गई है कि हर घर में पढ़ा लिखा युवा बेरोजगार बैठा है। इस मौके पर जिला अध्यक्ष एक्स सर्विसमैन कमांडेंट संतोष यादव, जिला मीडिया प्रभारी मनोज अग्ना, जिला उपाध्यक्ष रिईमपलाईमेनट नरेश चौधरी, सुभाष अग्रवाल, कपिल व रमेश आजाद सहित अनेक पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद थे।

श्रद्धालुओं को खाटू श्याम के लिए मिली स्पेशल ट्रेन

रेवाड़ी। रेलवे की ओर से खाटू श्याम धाम जाने के लिए श्रद्धालुओं व यात्रियों की सुविधा के लिए रेवाड़ी-रींगस-रेवाड़ी स्पेशल रेलसेवा का संचालन शुरू किया जा रहा है। उत्तर पश्चिम रेलवे के सीपीआरओ कैप्टन शशि किरण ने बताया कि गाड़ी संख्या 09637 रेवाड़ी-रींगस स्पेशल रेलसेवा 2 जुलाई, 6 जुलाई, 7 जुलाई, 13 जुलाई, 14 जुलाई, 17 जुलाई, 20 जुलाई, 21 जुलाई, 27 जुलाई, 28 जुलाई व 31 जुलाई को रेवाड़ी से सुबह 11:40 बजे रवाना होकर दोपहर 2:40 बजे रींगस पहुंचेगी तथा वापसी में गाड़ी संख्या 09638 रींगस-रेवाड़ी यह स्पेशल रेलसेवा रींगस से दोपहर 3 बजे बजे रवाना होकर शाम 6:20 बजे रेवाड़ी पहुंचेगी। इस रेलसेवा में 8 द्वितीय साधारण श्रेणी एवं 2 गार्ड श्रेणी के कुल 10 डिब्बे होंगे। यह रेलसेवा रेलमार्ग पर कुंड, काठूवास, अटेली, नारनौल, अमरपुर जोरासी, निजामपुर, डाबला, मांवडा, नीम का थाना, कावंट व श्रीमाधोपुर स्टेशनों पर ठहराव करेगी।

खबर संक्षेप

दहेज उत्पीड़न के मामले में तीन गिरफ्तार

रेवाड़ी। थाना धारूहेड़ा पुलिस ने दहेज उत्पीड़न के मामले में पति सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने थाना क्षेत्र की एक विवाहिता की शिकायत पर दोनों पक्षों के बीच सुलहनामा कराने के प्रयास किए थे। बातचीत सिरे नहीं चढ़ने पर पुलिस ने गत 2 अप्रैल को आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया था। मामले में पुलिस ने दिल्ली के पालम विहार निवासी रोहित, उसके पिता जयबीर और मां बीना देवी को गिरफ्तार कर लिया। बाद में उन्हें पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

प्रदूषण जांच केंद्र के बाहर से बाइक चोरी

रेवाड़ी। गढ़ी बोलनी रोड पर एक पेट्रोल पंप पर बने प्रदूषण जांच केंद्र के पास खड़ी बाइक चोरी हो गई। कसोला पुलिस को दर्ज शिकायत में राजस्थान के पाटन निवासी सत्येंद्र ने बताया कि उसने एक पंट्रोल पंप पर प्रदूषण जांच केंद्र खोला हुआ है। वह घर से बाइक लेकर पेट्रोल पंप पर आया था। बाइक को जांच केंद्र के बाहर खड़ी करने के बाद लॉक कर दिया था। शाम को वह घर जाने लगा तो बाइक गायब मिली। काफी तलाश करने के बाद भी बाइक का कोई पता नहीं चला। पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू कर दी।

ट्रॉले की टक्कर से बाइक सवार घायल

रेवाड़ी। कसोला चौक के निकट ट्रॉले की टक्कर से एक बाइक सवार गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। महेंद्रगढ़ के रामपुरा निवासी सुभाष अपने बेटे जितेंद्र के साथ कंपनी से बाइक पर घर जा रहा था। रेलवे पुल के पास ट्रॉले ने बाइक को टक्कर मार दी। इस हादसे में जितेंद्र बाइक से गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। उसने एंबुलेंस की मदद से अपने बेटे को अस्पताल पहुंचाया, जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई थी। पुलिस ने ट्रॉला चालक के खिलाफ केस दर्ज करने के बाद उसकी तलाश शुरू कर दी।

हाइवे पर ट्रॉले ने मारी गाड़ी को टक्कर

रेवाड़ी। सोनीपत से जयपुर फॉर्च्यूनर गाड़ी में जा रहे एक व्यक्ति की गाड़ी को आसलवास के पास ट्रॉले ने टक्कर मार दी। सोनीपत निवासी रवि ने पुलिस शिकायत में बताया कि वह किसी काम से गाड़ी लेकर जयपुर जा रहा था। आसलवास के पास एक तेज रफ्तार ट्रॉले ने उसकी गाड़ी को टक्कर मार दी। इस हादसे में वह बाल-बाल बच गया, लेकिन उसकी गाड़ी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। ट्रॉला चालक टक्कर मारने के बाद फरार हो गया। पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद ट्रॉला चालक की तलाश शुरू कर दी।

महिला के साथ छेड़छाड़ का आरोपी काबू

धारूहेड़ा। थाना क्षेत्र की रहने वाली एक महिला के साथ छेड़छाड़ करने के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। महिला ने गत 22 जून को क्षेत्र के एक गांव निवासी दिनेश कुमार पर छेड़छाड़ करने का आरोप लगाया था। पुलिस ने उसकी शिकायत पर सामान्य अस्पताल से मेडिकल कराने के बाद आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया था। पुलिस ने उसे गिरफ्तार करने के बाद कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

मायके आने के बाद महिला घर से लापता

कोसली। क्षेत्र के एक गांव में अपने मायके आई विवाहिता अचानक घर से लापता हो गई। पुलिस शिकायत में उसके भाई ने बताया कि उसकी बहन की शादी कुछ समय पहले ही बावल में की गई थी। इस समय वह मायके आई हुई थी। 26 जून को दोपहर के समय उसकी बहन अचानक घर से कहीं चली गई। शाम तक उसके वापस नहीं आने पर काफी तलाश की गई। उसके ससुराल में भी पता किया गया, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं लगा। पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद महिला की तलाश शुरू कर दी।

निशानदेही न होने से अधर में था कार्य, लोगों ने रोषस्वरूप रुकवा दिया था सड़क निर्माण कार्य

धारूहेड़ा में सड़क निर्माण के लिए नगरपालिका ने की निशानदेही

नगरपालिका की ओर से सड़क बनाने का टेंडर पहले ही किया जा चुका है, लेकिन सड़क पर हरिजन चौपाल से लेकर सरकुलर रोड नंदरामपुर बास तक अवैध कब्जों के कारण कार्य अटका हुआ था

हरिभूमि न्यूज ▸▸ धारूहेड़ा

नगरपालिका धारूहेड़ा की ओर से कस्बे के सरकुलर रोड पर बनाई जा रहे सीसी रोड का कार्य काफी दिनों से निशानदेही न होने के कारण अधर में लटका हुआ था। वीरवार को नगरपालिका सचिव प्रवीण कुमार के आदेश पर मार्ग पर नपा टीम की ओर से पैमाईश करके निशानदेही की गई। नगरपालिका की ओर से सड़क बनाने का टेंडर पहले ही किया जा चुका है, लेकिन सड़क पर हरिजन चौपाल से लेकर सरकुलर रोड नंदरामपुर बास तक अवैध कब्जों के कारण कार्य अटका हुआ था। वीरवार को एमई सत्यप्रकाश, जेई हरीश, मुकेश गिरदावर व पार्षद प्रशांत यादव की मौजूदगी में कर्मचारियों ने मार्ग पर पैमाइश करके अवैध निर्माण पर निशान लगाए। नगरपालिका की ओर से सड़क की पैमाइश न कराने के कारण सड़क निर्माण में देरी हो रही थी। नपा पार्षद व लोगों ने पिछले दिनों नपा अधिकारियों से सड़क की सही ढंग से निशानदेही करके अतिक्रमण हटाने की मांग की थी। वीरवार को सड़क के दोनों ओर पैमाइश करके 33 फीट की निशानदेही की गई। सड़क निर्माण कार्य के लिए रोड़ियां पहले ही बिछाई जा चुकी है। निशानदेही के बाद अतिक्रमण हटने से सड़क चोड़ी हो जाएगी, जिससे जाम जैसे हालात से काफी राहत मिलेगी।

बिना निशानदेही के बनती आ रही सड़क

नगरपालिका सचिव प्रवीण कुमार व चेयरमैन कंवर सिंह ने कहा कि सड़क की पैमाइश करा दी गई है। निशानदेही करने के बाद लोगों को अपना अवैध कब्जा हटाने का समय दिया गया है। लोगों की ओर से कब्जा नहीं हटाने पर निशानदेही के अनुसार अतिक्रमण हटाया जाएगा, जिसके बाद 33 फीट चौड़ी सड़क का निर्माण किया जाएगा। अतिक्रमण के कारण सड़क 33 फीट से 12 फीट तक रह गई थी, जिसको लेकर पार्षदों व लोगों ने रोष जताया था और काम रूकवा दिया था।

धारूहेड़ा में अतिक्रमण से परेशानी

धारूहेड़ा के प्रमुख बाजारों में अतिक्रमण की अभी भी भरमार है। अतिक्रमण के कारण सड़कें सिकुड़ कर रह गई है, जिससे सड़कों पर जाम की स्थिति पैदा हो रही है। कस्बे के भगत सिंह चौक, जय मार्केट, शमशेर मार्केट, सोहना रोड व नंदरामपुर बास रोड पर पूरी तरह अतिक्रमणकारियों ने कब्जा किया हुआ है। इसके अलावा सड़कों पर ही आड़े-तिरछे तरीके से निजी वाहन खड़े किए जा रहे है। सड़कों पर रेहड़ी लगाने वालों ने भी कब्जा किया हुआ है।

रेवाड़ी। मार्ग पर निशानदेही करते हुए नपा कर्मचारी, कर्मचारियों को दिशा निर्देश देते अधिकारी तथा अवैध निर्माण पर निशान लगाते हुए नपा कर्मचारी।

देश में शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति गंभीर नहीं भाजपाः भूरथला

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रेवाड़ी

युवा कांग्रेस के प्रदेश सचिव सचिन भूरथला नीट पेपर लीक व नेट की परीक्षा रद करने के खिलाफ दिल्ली के जंतर-मंतर पर चल रहे धरना-प्रदर्शन में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि केंद्र में बीजेपी सरकार के समय 50 से अधिक पेपर लीक हो चुके हैं। वहीं हरियाणा में बीजेपी कार्यकाल के दौरान 33 बार पेपर लीक हो चुके हैं। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान एनटीए को नीट पेपर लीक मामले में क्लीन चीट दे रहे हैं। यह सब केंद्र सरकार की विफलता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि बीजेपी सरकार लगातार युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रही हैं। नीट परीक्षा एमबीबीएस में दाखिले के लिए होती है। केंद्र सरकार नीट में धांधली करके देश की स्वास्थ्य सेवाओं को मुन्ना भाई जैसे डॉक्टरों को सौंपना चाहती है। नीट इतिहास में पहली बार 67 छात्रों के 720 में से 720 अंक आए हैं। जोकि मुमकिन नहीं है और 1563 बच्चों को ग्रेस नंबर दिए गए हैं। भूरथला ने कहा कि कांग्रेस पार्टी एवं छात्र ईकाई एनएसयूआई केंद्र सरकार और एनटीए के खिलाफ देशभर में प्रदर्शन कर रही हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने नीट छात्रों से मुलाकात कर उनकी आवाज को संसद में उठाने का आश्वासन भी दिया है। उन्होंने कहा कि जब तक नीट के प्रत्येक अभ्यार्थी को न्याय नहीं मिलेगा तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

रेवाड़ी। जंतर-मंतर पर नेताओं के साथ नारेबाजी करते सचिन। फोटो : हरिभूमि

गुर्जर मार्जरी में फायरिंग करने का एक आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रेवाड़ी

- पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू की थी
- मामले के अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है

गत 14 मार्च की रात गुर्जर माजरी में एक मकान के बाहर तांडव मचाते हुए फायरिंग करने के मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। मामले के अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है।

गुर्जरी माजरी निवासी कर्मबीर ने पुलिस शिकायत में बताया था कि रात के समय गांव निवासी योगेश, योगेंद्र, राजेश व राजेश का भांजा अंकित 3-4 अन्य लोगों के साथ उसके मकान पर आ गए। उसने आरोप लगाया कि लाठी-डंडों और अवैध हथियार से लैस इन लोगों ने घर का दरवाजा पीटना शुरू कर दिया। वह अपने मकान की छत पर चला गया। इसी दौरान आरोपियों ने उस पर फायरिंग करते हुए जान से मारने की धमकी दी।

पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू की थी। इस मामले के एक आरोपी नूंह के कोटा निवासी अंकित को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है।

संदिग्ध हालात में विवाहिता की मायके में मौत, पति ने की जांच की मांग

- पति के साथ कोर्ट में विवाद चल रहा है, लेकिन दोनों के बीच सुलहनामे के प्रयास चल रहे थे

हरिभूमि न्यूज ▸▸ बावल

झाबुआ में वीरवार दोपहर एक विवाहिता की संदिग्ध हालत में मौत हो गई। उसका पति के साथ कोर्ट में विवाद चल रहा है, लेकिन दोनों के बीच सुलहनामे के प्रयास चल रहे थे। मायके पक्ष के लोगों ने पेट दर्द की दवा लेने के बाद मौत होना बताया है, तो पति ने पुलिस से मौत के कारणों की जांच करने की मांग की है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए बावल सामुदायिक केंद्र के शव गृह में रखवा दिया। पोस्टमार्टम के बाद ही मौत के कारणों का पता चल सकेगा। मूल रूप से चरखी दादरी के बिलोटा गांव की रहने वाली पूजा बचपन से ही अपने मामा के गांव झाबुआ रही थी। शादी के बाद वह अपने पति के साथ रेवाड़ी के झज्जर चौक के पास किराए के मकान में रह रही थी। कुछ समय उसे उसका पति राजस्थान के कोटकासिम निवासी मनीष के साथ मन मुटाव शुरू हो गया था। इसके बाद मनीष ने पूजा के खिलाफ कोर्ट में केस डाला हुआ था। मनीष ने 'हरिभूमि' को बताया कि 25 जून को उनके बेटे का जन्मदिन था। उसने पूजा को रेवाड़ी बुलाकर साथ मिलकर बेटे का जन्मदिन मनाया था। दोनों ने मॉल में शॉपिंग भी की थी। दोनों के बीच गिले-शिकवे दूर होने के बाद मनीष ने अपनी गलती मानते हुए साथ रहने की पेशकश की थी, लेकिन पूजा ने 27 जून तक सोचने का समय मांगा था।

पूजा का फाईल फोटो।

पूजा के फोन का कर रहा था इंतजार

मनीष ने बताया कि वह वीरवार को पूजा के फोन का इंतजार कर रहा था। इसी दौरान उसे सूचना मिली कि उसकी मौत हो गई है। परिजनों के अनुसार उसे पेट दर्द हुआ था। दवा लेने के बाद उसकी तबियत बिगड़ गई, जिससे उसकी मौत हो गई। दूसरी ओर मनीष ने मौत को संदेहास्पद बताते हुए ससुराल पक्ष की कहानी पर संदेह जताया है। उसने पुलिस थाने पहुंचकर अपनी पत्नी की मौत के कारणों की जांच कराने की मांग की है। पुलिस का कहना है कि मौत के वास्तविक कारणों का पता पोस्टमार्टम के बाद ही चल सकेगा। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए बावल सामुदायिक केंद्र के शव गृह में रखवा दिया।

नशे के पैसे नहीं देने पर बड़े भाई से मारपीट

रेवाड़ी। संघी का बास मोहल्ले में नशे के लिए पैसे देने से मना करने पर छोटे भाई ने बड़े भाई को पीटकर घायल कर दिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज करने के बाद उसकी तलाश शुरू कर दी। पुलिस बयान में अमन ने बताया कि उसका छोटा भाई रमन नशे का आदि है। वह नशे का शौक पूरा करने के लिए कई बार घर का सामान तक बेच चुका है। दोपहर के समय रमन ने उसके पास आकर पैसे की मांग की। मना करने पर उसने उसके साथ मारपीट करना शुरू कर दिया। नशे के लिए पैसे नहीं देने पर उसे जान से मारने की धमकी देने लगा। उसने किसी तरह पुलिस को फोन किया। इसके बाद आरोपी उसे धमकी देकर फरार हो गया। सिटी पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी।

बदलने लगा चिंकी भैया का कलेवर

पिता की टिकट लोकसभा चुनावों में कटी, तो उन्हें बेटे की टिकट विधानसभा चुनावों में कटने की चिंता सताने लगी। टिकट कटने के बाद खुद चुनाव लड़ने का इरादा तक त्याग दिया। अब बोल रहे हैं कि अगर टिकट मिली तो बेटा चिंकी चुनाव लड़ेगा। पिता तो यहां तक कह चुके हैं कि ऐसी चेयरमैनी का क्या फायदा, जो अपनी टिकट भी नहीं बचा पाए। भविष्य की राजनीति को लेकर चिंता सता रही है। चिंकी भैया राजनीति में मंझे हुए खिलाड़ी की तरह बर्ताव करने लगे हैं। पत्रकारों के टिकट के सवाल पर खुलकर बोल गए कि वह किसी की टिकट काट सकते हैं, उनकी टिकट कोई नहीं काट सकता है। देखना होगा कि भविष्य में उनका यह दावा कितना प्रबल साबित होता है।

लो अब चले गए अजीब स्टेटस वाले

लोकसभा चुनावों से पहले प्रदेश सरकार ने पुलिस अफसरों के तबादले किए तो रेवाड़ी एसपी का नंबर भी आ गया था। पुराने एसपी दीपक सहारन ने अपनी कार्यशैली से आम लोगों के दिल में खूब जगह बनाई। उनके स्थान पर आए शशांक कुमार सावन विधानसभा चुनावों से पहले ही बदल दिए गए हैं। उनके तबादले के साथ ही यह बात भी खास का चर्चा का विषय बन चुकी हैं कि वह खास स्टेटस वाले अफसर हैं। आम से लेकर खास लोगों तक के भी फोन अटैंड करना उनकी फितरत में शायद नहीं रहा। इतना ही नहीं व्हाट्स एप स्टेटस पर लिखा था कि पुलिस सहायता के लिए डायल-112 पर संपर्क करें यानि इसके लिए उन्हें तकलीफ देने की जरूरत नहीं है।

तो मैडम को आ गया व्यापारियों पर गुस्सा

जिला प्रशासन और नगर परिषद की गाड़ी राम भरोसे चल रही है। नगर परिषद भ्रष्टाचार के मामले में नंबर वन साबित हो चुकी है, तो विकास की किताब के पन्नों को चूहे कुतरने में लगे हुए हैं। शहर के लोग चोरों ओर से परेशानियों से घिरे हुए हैं। सफाई से लेकर स्ट्रे कैटल व पानी निकासी जैसी समस्याओं से शहर के लोग खासे परेशान हैं। सुविधाओं का अकाल पड़ा हुआ है और समस्याओं की भरमार है। बाजार के व्यापारी परेशान होकर अपना दुखड़ा सुनाने के लिए एक महिला अधिकारी के दरबार में पहुंच गए। बताया जा रहा है कि महिला अधिकारी ने समस्याओं का निदान करने की बजाय व्यापारियों पर ही तेवर तरार लिए, जिससे उन्हें बैरंग लौटना पड़ा।

वंदना की 'वंदना' से बढ़ रही बेचैनी

वंदना मैडम ने भाजपा में शामिल होने के बाद पार्टी हित में जिस तरह से समर्पित भाव से कार्य किया है, उसके भाजपा के दिग्गज भी कायल हैं। पार्टी की गुटबाजी से दूर रहते हुए सभी के साथ सामंजस्य बनाकर चलने की नीति पर लगातार कार्य किया है। पूर्व व वर्तमान सीएम से लेकर राव तक से मधुर राजनीतिक संबंध बनाए हुए हैं। पार्टी के लिए बेबाक तरीके से टिप्पणी और प्रतिक्रिया व्यक्त करने में उनका कोई सानी नहीं है। लोकसभा चुनावों में इस नेत्री ने महेंद्रगढ़ में जैसे ही पीएम नरेंद्र मोदी का मंच संभाला, उससे उनके कई प्रतिद्वंद्वियों के होश उड़ गए। पंजीबी नेत्री की पार्टी में बढ़ती सक्रियता ने रेवाड़ी हलके में टिकट के कई दावेदारों की बेचैनी बढ़ा दी है।

बड़े गुरूजी के चेले ने उड़ा दिए होश

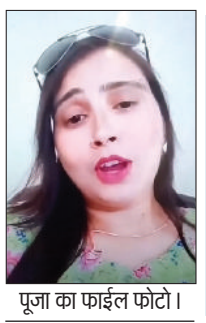

अनिल पाल्हावास को केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह का खास चेला माना जाता है। लोकसभा चुनावों से पहले 'गुरूजी' का आशीर्वाद लेकर उन्होंने खुद को कांग्रेसी विधारधारा वाला बताते हुए हाथ का साथ ग्रहण कर लिया। सीधे हुड्डा दरबार के जरिए कांग्रेस में एंट्री करते हुए कोसली हलके में धूम मचा दी। लोकसभा चुनावों में दीपेंद्र हुड्डा की जीत के लिए पूरी ताकत लगा दी। पार्टी में आते ही प्रदेश प्रवक्ता का महत्वपूर्ण हाथ में आ गया। अनिल का कांग्रेस में आगमन उन नेताओं के लिए होश उड़ाने वाला साबित होने लगा है, जो अपनी टिकट के प्रति पूरी तरह आश्वस्त नजर आ रहे थे। अनिल की मजबूत दावेदारी ने पुराने दावेदारों के माथे पर पसीना ला दिया है।

लाखों की ग्रांट के ठेकेदार नदारद

अपने जिले में राजनीति की पटरी बैठती नजर नहीं आई तो एक नेताजी ने कोसली पर डोरे डालने शुरू कर दिए। सरकार में अच्छा पद मिलने के बाद नेताजी खासे चर्चा का विषय बने रहे। उनकी कारगुजारियों के चर्चे भी लोगों की जुबान पर खूब सुने गए। लोकसभा चुनावों के दौरान कोसली हलके के गांवों में जाकर पार्टी प्रत्याशी के लिए वोट मांगने की बजाय खुद को भाजपा का विधानसभा क्षेत्र से प्रत्याशी होने की ढिंढोरा पीटना शुरू कर दिया। आचार संहिता हटने के बाद हलके के हर गांव को 15-15 लाख की ग्रांट देने के वायदे कर डाले। सीएमओ से विदाई हुई तो नेताजी भी कोसली हलके की पिक्चर से नदारद हो गए। अब लोग उनकी ग्रांट का इंतजार कर रहे हैं।

प्रधान सचिव से लेकर जिला स्तरीय अधिकारियों से लगा चुके गुहार

स्कूल का रास्ता दूषित पानी से लबरेज निकासी व्यवस्था में प्रशासन फेल

- नहीं हो रहा बालावास के ग्रामीणों की समस्या का समाधान

हरिभूमि न्यूज ▸▸ बावल

खंड के गांव बालावास में स्कूल की ओर जाने वाले मेन रास्ते पर दूषित पानी के भराव की समस्या लंबे समय से बनी हुई है। सरपंच और ग्रामीणों की मांग के बावजूद अधिकारी समस्या के समाधान में कोई दिलचस्पी नहीं दिखा रहे हैं। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि अगर उनकी समस्या का जल्द समाधान नहीं हुआ, तो वह आंदोलन का रास्ता अपनाने को मजबूर हो जाएंगे। ग्रामीणों ने बताया कि स्कूल के मेन रास्ते पर इस समय भारी मात्रा में दूषित पानी भरा हुआ है। ग्रीष्मावकाश के बाद 1 जुलाई से स्कूल खुल रहे हैं। बच्चों के स्कूल तक जाने की रास्ता पानी से भरा हुआ है। ऐसे में अभिभावकों को चिंता सता रही है कि उनके बच्चे स्कूल में कैसे जाएंगे।

ग्रामीण लगातार सरपंच पर समस्या के समधान का दबाव बना रहे हैं। सरपंच के तमाम प्रयासों के बावजूद अधिकारियों ने इस समस्या का अनदेखी की हुई है। ग्रामीणों ने बताया कि गांव में सीवर लाइन की व्यवस्था नहीं होने के कारण घरों से निकलने वाला दूषित पानी इसी रास्ते में एकत्रित हो जाता है। लगातार जलभराव के कारण ग्रामीणों को मच्छरों के भारी प्रकोप का सामना करना पड़ रहा है। बरसात के समय जलभराव के कारण गांव में डेंगू व मलेरिया जैसे रोग फैल सकते हैं। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि अगर प्रशासन ने उनकी समस्या का समाधान जल्द नहीं किया तो वह आंदोलन का रास्ता अपनाने को मजबूर हो जाएंगे।

रेवाड़ी। बालावास गांव में स्कूल के रास्ते पर एकत्रित दूषित पानी।

सरपंच के प्रयासों पर अफसर फेर रहे पानी

गांव के सरपंच मुरारीलाल ने बताया कि उन्होंने दूषित पानी की समस्या का समाधान कराने के लिए गत वर्ष प्रदेश सरकार के चीफ सक्रेटरी से लेकर पंचायत विभाग के आला अधिकारियों तक को पत्र लिखे थे। इसके बाद से वह लगातार अधिकारियों के चक्कर लगा रहे हैं। पंचायत विभाग के एक्सईएन से लेकर दूसरे अधिकारी तक लगातार आश्वासन दे रहे हैं। अभी टेंडर जारी करने और फाइनल होने के बाद वर्क आर्डर इश्यू करने की बात कर रहे हैं। ग्रामीण सरपंच होने के नाते उन पर लगातार दबाव बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह जल्द ही कैबिनेट मंत्री डा. बनवारीलाल से मिलकर समस्या के जल्द समाधान की मांग उठाएंगे।

फोन पर जीजा बताकर बनाया साइबर ठगी का शिकार

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रेवाड़ी

- आर्टिफिशियल इंटेलीजेंसी का इस्तेमाल करते हुए साइबर ठग ने फोन पर महिला को साइबर ठगी का शिकार बनाया
- साइबर थाना पुलिस ने उस खाते का पता लगाने के प्रयास शुरू कर दिए, जहां यह राशि ट्रांसफर हुई है

आर्टिफिशियल इंटेलीजेंसी का इस्तेमाल करते हुए साइबर ठग ने फोन पर महिला को उसका जीजा बताते हुए 25 हजार रुपये की साइबर ठगी का शिकार बना दिया। साइबर थाना पुलिस ने महिला की शिकायत पर केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू कर दी।

भीम बस्ती निवासी ललिता ने साइबर थाना पुलिस को दर्ज शिकायत में बताया कि उसके पास 24 जून को अनजान नंबर से फोन आया था। फोन करने वाले ने बताया वह उसका जीजा बोल रहा है। उसके पास 25 हजार रुपये भेजे गए हैं।

वह इन पैसों को दूसरे नंबर पर ट्रांसफर कर दे। उसने ट्रांसफर करने के लिए दूसरा नंबर से बता दिया। जीजा से मिलती-जुलती आवाज होने के कारण उसने मोबाइल पर मैसेज देखा तो खाते में 25 हजार रुपये आने का मैसेज आया हुआ था। उसने खाता चेक किए बिना ही उसके बताए गए नंबर पर यह राशि ट्रांसफर कर दी।

बाद में चेक करने पर पता चला कि उसके खाते में कोई पैसा नहीं आया। साइबर थाना पुलिस ने उसकी शिकायत पर केस दर्ज करने के बाद उस खाते का पता लगाने के प्रयास शुरू कर दिए, जिसमें यह राशि ट्रांसफर हुई है।